RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 प्लास्टिक सर्जरी को गलत नहीं...

वर्ष : 27 अंक : 69 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

कुल्लू और मंडी में बारिश से भारी तबाही

नदी-नाले उफान पर, पानी में बह गई कई गाड़ियां

शिमला (एजेंसी)। पहाड़ी इलाकों में आसमानी आफत बरसी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भीषण बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में तबाही मच गई है। प्रदेश के कुल्लू जिले से तो तबाही की हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। यहां बारिश ने ऐसा कहर ढाया है कि नदी-नाले उफान पर आ गए हैं।

नालों में बारिश के पानी के कारण आए ओवरफ्लो के चलते गाड़ियां बह जाने का मामला भी सामने आया है। कुल्लू के अलावा मंडी जिले से भी तबाही की तस्वीरें सामने आई हैं। जिले के ओट इलाके में लैंडस्लाइड के बाद चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाइवे बंद हो गया है।

हिमाचल प्रदेश में पिछले 3 दिन से खराब मौसम और मूसलाधार बारिश जारी है. लाहौल स्पीति, चंबा, किन्नौर में भारी बर्फबारी से सड़कें बंद हैं। कुल्लू, कांगड़ा में बादल फटने जैसे हालात हैं।

बीते 12 घंटे से प्रदेश में मूसलाधार बारिश और बर्फबारी से जनजीवन ठहर गया है। बीती रात से प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश जारी है। उधर, लाहौल स्पीति, चंबा- पांगी और किन्नौर जिला के अधिकांश क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के कारण सड़कें बंद होने से शेष दुनिया से संपर्क कट गया है। बीते 24 घंटे में सात जिलों में फ्रेश स्नोफॉल हुआ है। लाहौल स्पीति, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिला के ऊंचे क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी हुई है।

कुल्लू में भंयकर बारिश के चलते नदी नाले ऊफान पर आ गए और यहां पर बरसात जैसा मौसम देखने को मिला है। कई गाड़ियां मलबे में जहां दब गई तो भुंतर सब्जी मंडी पानी में डूब गई हैं। भूतनाथ पुल के पास भी गाड़ियां नाले में बही हैं. उधर, लारजी डैम से पानी छोड़ा गया। बताया जा रहा है कि बरोट में डैम का गेट खोला गया है। क्योंकि बड़ा बंगाल की तरफ बादल फटा है और कुछ गाड़ियां बहीं है।

वहीं चमोली में रुक-रुककर बारिश और बर्फबारी का सिलसिला जारी है। दो से ढाई हजार फीट ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हो रही है, जबकि निचले इलाकों में शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया है। बद्रीनाथ, हेमकुंड साहिब, जोशीमठ और औली में भी बर्फबारी हो रही है। 24 घंटे से चमोली में लगातार बारिश हो रही है।

आईटी कंपनी के मैनेजर ने आत्महत्या से पहले बनाया वीडियो

'मर्दों के बारे में सोचो बेचारे बहुत अकेले हैं'

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा में आईटी कंपनी के मैनेजर मानव शर्मा ने आत्महत्या कर ली। मानव ने सुसाइड से पहले वीडियो बनाकर अपनी मौत का जिम्मेदार पत्नी निकिता शर्मा को बताया है। मानव ने गले में फंदे को कसकर वीडियो बनाते हुए कहा कि मर्दों के बारे में कोई बात नहीं करता है। बेचारे बहुत अकेले हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद अब मानव की पत्नी निकिता का बयान सामने आया है। निकिता का कहना है कि मानव ने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं वो मेरा पास्ट था, वो शादी के पहले की बात है, शादी के बाद ऐसा कुछ नहीं था।

निकिता ने अपने बयान में कहा कि मानव पहले भी खुद को हार्म करने की कोशिश कर चुका है, एक बार तो मैंने खुद फंदा काटकर उसे फांसी लगाने से रोका था। लेकिन इस बार मैं मौके पर नहीं थी। मायके में थी। आप लोग मेरी भी सुनो। मामले में निकिता शर्मा ने आरोप लगाते हुए (शेष पृष्ठ-3 पर)

मानव का 6.57 मिनट का वीडियो

मानव शर्मा का 6.57 मिनट का 'आखिरी वीडियो' दिल दहलाने वाला है। फंदे को गले में कसकर वीडियो बनाते हुए मानव कई बार भावुक होते हुए कहते हैं- मैं तो चला जाऊंगा, मर्दों का सोचो, मर्दों के बारे में कोई तो बात करे, बेचारे बहुत अकेले हैं। इसके बाद वो फांसी पर झूल जाते हैं। अपने 'आखिरी वीडियो' में मानव कहते हैं कि 'पापा सॉरी, मम्मी सॉरी, अक्कू सॉरी...अब मैं विदा ले रहा हूं।'

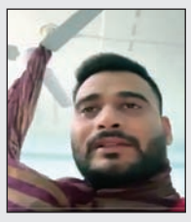

शेयर बाजार में भूचाल, डूबे 7.46 लाख करोड़ रुपय

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर से दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। शुक्रवार (28 फरवरी) को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। वैश्विक बाजारों में आई बिकवाली का असर भारतीय बाजारों पर भी पड़ा, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में तेज गिरावट दर्ज की गई।

शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 790.87 अंक गिरकर 73,821.56 पर आ गया, जबकि निफ्टी 231.15 अंक टूटकर 22,313.90 पर पहुंच गया। बाद में दोनों 1.3 फीसदी से ज्यादा गिर गए। इस गिरावट से निवेशकों के 7.46 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

सेंसेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, HCL टेक, इंफोसिस, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और मारुति शामिल रहे। इन सभी शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ।ष्ठस्नष्ट बैंक सेंसेक्स के दो ऐसे स्टॉक्स रहे, जो हरे निशान में बने रहे। एक्सिस बैंक में भी तेजी दिखी। इन तीनों के अलावा सेंसेक्स टॉप 30 के सभी स्टॉक लाल निशान में हैं।

EPF पर 8.25 फीसदी की ब्याज दर बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) को लेकर बड़ी खबर आ रही है। बताया गया कि सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ ने शुक्रवार को 2024-25 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.25 फीसदी की ब्याज दर बरकरार रखने का फैसला किया है। फरवरी 2024 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2023-24 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दिया था। 2022-23 में यह ब्याज दर 8.15 फीसदी थी। ऐसे ही मार्च 2022 में ईपीएफओ ने 2021-22 के लिए अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 फीसदी कर दिया था। 2020-21 में यह ब्याज दर 8.5 प्रतिशत थी। इससे पहले 2020-21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी। उस वक्त ईपीएफ ब्याज दर आठ प्रतिशत थी।

संभल की शाही जामा मस्जिद की नहीं होगी रंगाई-पुताई

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की गई, जिसमें मस्जिद कमेटी ने रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए फिलहाल मस्जिद की केवल सफाई की अनुमति दी है, लेकिन रंगाई-पुताई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने मस्जिद कमेटी से कहा कि वे मंगलवार तक अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई होगी।

दरअसल, मस्जिद कमेटी की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक सिविल रिवीजन याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मस्जिद में रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी गई थी। इस पर कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से रिपोर्ट पेश करने को कहा था.

ASI ने कोर्ट को अपनी जॉइंट इंस्ट्रक्शन रिपोर्ट सौंपते हुए बताया कि मस्जिद की वर्तमान स्थिति में किसी भी तरह की रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, मस्जिद में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, जिसके लिए मरम्मत या रंगाई आवश्यक हो।

नोएडा व ग्रेटर नोएडा के पूर्व अध्यक्ष व सीईओ रवि माथुर का निधन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष व सीईओ, रवि माथुर का ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में निधन हो गया है। वह पिछले कई दिनों से बीमार थे और उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है, और उनके योगदान को याद किया जा रहा है।

रवि माथुर नोएडा प्राधिकरण के दो बार तथा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एक बार सीईओ के पद पर तैनात रहे थे रवि माथुर लगभग 79 वर्ष के थे।

'ड्रिप तकनीक से होगी पौधों की सिंचाई'

17 किमी लंबी बिछाई जाएगी पाइप लाइन : वंदना त्रिपाठी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे की सेंट्रल वर्ज की सिचाई इजरायल की तकनीक से की जाएगी। सेंट्रल वर्ज में पाइप के जरिए ड्रिप तकनीक का यूज किया जाएगा। इसके लिए करीब 17 किमी एक लंबी लाइन सेंट्रल वर्ज में बिछाई जाएगी। इस लाइन में ही स्प्रिंकल लगे होंगे। ये लाइन यमुना के किनारे बन चुके या बन रहे रैनी वेल या ट्यूबवेल से जोड़ी जाएगी। इसे एसटीपी से जोड़ा जा सकता था। लेकिन एसटीपी से निकलने वाला ट्रीटेड वाटर भी पलूटेड होता है। जिससे स्प्रिंकल नहीं किया जा सकता।

एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि इसकी फाइल टेक्निकल ऑडिट सेल के पास जा चुकी है। वहां से एस्टीमेट वैरीफाइ किया जा रहा है। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एक्सप्रेस वे किनारे बने बरसाती ड्रेन में एसटीपी के पानी को डला जा रहा है। ड्रेन के जरिए वो पानी पूरे एक्सप्रेस के किनारे है। ऐसे में जहां भी सिचाई की आवश्यकता है वहां से पानी को पाइप के जरिए सेंट्रल वर्ज तक पहुंचाया जा रहा है।

बता दे नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस का अधिकांश हिस्सा नोएडा में आता है। वर्तमान में यहां टैंकर के जरिए सिंचाई की जाती है। इस तरह से सिंचाई करना पेड़ पौधों को नुकसान पहुंचाता है साथ हाइ स्पीड एक्सप्रेस वे पर ये अन्य वाहनों के लिए घातक है। इसलिए यहां ड्रिप सिंचाई कराने पर विचार किया जा रहा है।

ड्रिप सिंचाई की एक आधुनिक तकनीक है । जिसमें पानी पौधों की जड़ों तक बूंद-बूंद (शेष पृष्ठ-3 पर)

कार में अचानक लगी आग ड्राईवर की जान बची

गाजियाबाद (चेतना मंच)।

साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के पास रात एक कार में अचानक आग लग गई। इस दौरान गाड़ी चला रहे दिल्ली निवासी रंजीत शर्मा ने कार से कूदकर खुद को बचाया। वहीं, कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। चालक ने तुरंत साहिबाबाद फायर स्टेशन को आग की सूचना दी।

सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि एक फायर टेंडर से टीम ने आग पर काबू पाया। इसमें करीब आधा घंटे का समय लगा। सीएफओ ने बताया कि कार पूरी तरह जलकर राख हो गई है। हालांकि शुरूआती जांच में हादसा शॉर्ट सक्रिट की वजह से होने की बात सामने आई है। हादसे के समय गाड़ी में केवल चालक मौजूद था। किसी भी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है।

राह चलते लूटते थे मोबाइल, पुलिस ने किया लंगड़ा

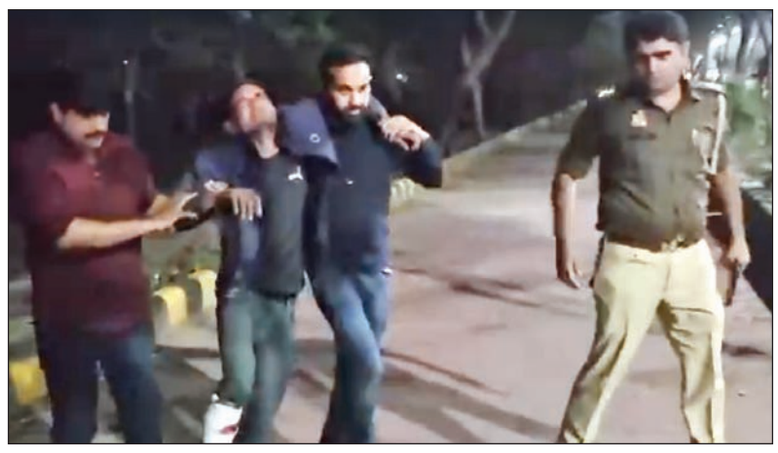

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के थाना सेक्टर-39 पुलिस और बाइक सवार शातिर बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बदमाश के साथी को पुलिस ने कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। बदमाशो के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर तथा लूटे गए 8 मोबाइल फोन और तमंचा कारतूस बरामद किए गए हैं।

नोएडा के एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया थाना सेक्टर-39 पुलिस टीम सेक्टर-44 के सामने चेकिंग की जा रही थी, तभी एमिटी गोल चक्कर की तरफ से आ रही एक मोटरसाइकिल को देख कर रूकने का इशारा किया गया. जिसपर मोटरसाइकिल सवार बदमाशो ने पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए सेक्टर-98 की तरफ भागने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम ने पीछा कर जवाबी कार्यवाही की जिसमे एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जिसकी पहचान हरियाणा निवासी विजय पुत्र धर्मवीर के रूप में हुई है।

एडीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश के साथी नौशाद उर्फ टोला को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। बदमाशो के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर तथा नोएडा में विभिन्न स्थानों से राह चलते लोगों से छीने गए 8 मोबाइल फोन, एक अवैध तमंचा कारतूस बरामद किए गए हैं।

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

मौसम और पर्व

जब कहा जाता है कि भारत पर्व व त्योहारों का देश है, तो उसकी ठोस वजह है। जब मौसम व प्रकृति अपना रूप बदल रहे होते हैं तो इनके संधिकाल पर ये पर्व-त्योहार दस्तक देते हैं। हमें सचेत कर रहे होते हैं कि बदलते मौसम के अनुरूप अपना खान-पान, रहन-सहन और विचार-वाणी बदलिए। अध्यात्म हमें वास्तव में मानवीय बनने की प्रेरणा देता है ताकि हम आत्मकेंद्रित होने के बजाय प्रकृति, समाज, कुदरत की रचनाओं, वंचितों व जरूरतमंदों की भी फिक्र करें। शिवमय हुए देश में पर्व के मर्म को महसूस किया जा सकता है। सूर्योदय के साथ दैनिक कर्मों से निवृत्त लोग आस्थास्थलों की तरफ उमड़ते देखे जाते हैं। सूर्य के उगने से पहले उठना अपने आप में सेहत की कुंजी है। शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें हममें धैर्य भर देती हैं, जो बताता है कि यदि हम नियम व कायदे के अनुरूप अपनी आस्था की अभिव्यक्ति करें तो तीर्थस्थल भगदड़ की त्रासदियों से सदा-सदा के लिए मुक्त हो सकते हैं। दरअसल, चाहे हमारे तीर्थ हों या देवालय, हमारे पूर्वजों ने उन्हें प्रकृति की सुषमा और जल स्रोतों के करीब बनाया है। जहां हम दैनिक जीवन की एकरसता से मुक्त होकर प्रकृति के सान्निध्य में सुकून महसूस कर सकें। हमारे बड़े तीर्थों के दुर्गम व पहाड़ी इलाकों में स्थित होने का अर्थ भी यही है कि हम शरीर को गतिशील बनाएं। हम पसीना बहाएं, जो अपने साथ शरीर के विजातीय द्रव्यों को बाहर निकालकर हमें स्वस्थ बनाता है। सही मायनों में हमारे पर्व-त्योहार समाज के लिए सेफ्टी-वॉल का काम ही करते हैं, भागमभाग के तनाव से मुक्त करते हैं। दफ्तर-परिवार में ऊंच-नीच से उपजी असहज स्थितियों से मुक्त होने का अवसर ये पर्व देते हैं। दरअसल, समय के साथ जीवनशैली में आए बदलावों संग न केवल हमारा व्यवहार कृत्रिम हुआ है बल्कि हमारा खानपान भी अपना मूल स्वरूप खो चुका है। ऐसे में ये पर्व हमें जीवन की वास्तविकता से रूबरू कराते हैं। कहने को तो हमारे पर्व-त्योहार आस्था व आध्यात्मिक व्यवहार से जुड़े हैं, लेकिन सही मायनों में वे हमारे स्वास्थ्य का संवर्धन कर रहे होते हैं। शिवरात्रि के व्रत में हम बेर आदि उन फलों का सेवन करते हैं, जो बदलते मौसम में हमारी शरीर की जरूरतों को पूरा करते हैं। तमाम लोग मंदिरों के बाहर दूध व फल आदि के लंगर लगाते हैं; जिससे दान देने वाले तो सेवाभाव से अभिभूत होते ही हैं, साथ ही श्रद्धालुओं के साथ ही तमाम गरीबों, जरूरतमंदों व भूखों को भी इससे लाभ मिलता है। ये पर्व हमारी आर्थिकी के लिए भी उत्प्रेरक तत्व हैं। फलों व पर्व से जुड़े सामान की बिक्री खूब होती है। उन लाखों लोगों को आर्थिक लाभ व रोजगार मिलता है, जो धार्मिक स्थलों के बाहर सड़कों पर दुकान लगा रहे होते हैं। इन धार्मिक स्थलों में पहुंचे श्रद्धालुओं में आस्था के चलते सहजता, सरलता, परोपकार आदि मानवीय गुणों की अभिव्यक्ति होती है। जो हममें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। मंदिर व पूजा-पाठ से जीविका चलाने वालों की आर्थिकी इन पर्वों से समृद्ध होती है। वहीं पर्व-व्रत के धार्मिक-आध्यात्मिक पक्ष के इतर समाज-कल्याण व सेहत से जुड़ा पक्ष भी सशक्त है। सबसे महत्वपूर्ण तो व्रत है। व्रत का एक संपूर्ण विज्ञान है। विडंबना यह है कि हम अपने आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा जैसे सर्वसिद्ध ज्ञान को गंभीरता से नहीं लेते। हाल ही के दिनों में विकसित देशों ने तमाम शोधों के बाद व्रत को दवा की संज्ञा दी है। प्राकृतिक चिकित्सा में व्रत के प्रकार, उसे खोलने में सावधानी व उपचार में उपयोग को लेकर विस्तृत अध्ययन उपलब्ध है, जो बताता है कम खाने से हमारा शरीर का पाचनतंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। हम अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। लेकिन व्रत वाले दिन हम तमाम ऐसे विकल्प तलाश लेते हैं जो सामान्य दिनों के खाने से ज्यादा होता है। सही मायनों में व्रत विशुद्ध शारीरिक स्वास्थ्य की एक स्वयंसिद्ध प्रक्रिया है। हमारे पूर्वजों ने इस धर्म और अध्यात्म से जुड़कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सनातनी सदियों तक व्रत और परंपराओं का पालन करते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि (याज्ञवल्क्यजी कहते हैं-) हे भरद्वाज! मैं श्री रामचन्द्रजी के गुणों की कथा कहता हूँ, तुम आदर से सुनो। तुलसीदासजी कहते हैं- मान और मद को छोड़कर आवागमन का नाश करने वाले रघुनाथजी को भजो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

हिमगिरि गुहा एक अति पावनि। बह समीप सुरसरी सुहावनि॥
आश्रम परम पुनीत सुहावा। देखि देवरिषि मन अति भावा॥

हिमालय पर्वत में एक बड़ी पवित्र गुफा थी। उसके समीप ही सुंदर गंगाजी बहती थीं। वह परम पवित्र सुंदर आश्रम देखने पर नारदजी के मन को बहुत ही सुहावना लगा॥

निरखि सैल सरि बिपिन बिभागा। भयउ रमापति पद अनुरागा॥
सुमिरत हरिहि श्राप गति बाधी। सहज बिमल मन लागि समाधी॥

पर्वत, नदी और वन के (सुंदर) विभागों को देखकर नादरजी का लक्ष्मीकांत भगवान के चरणों में प्रेम हो गया। भगवान का स्मरण करते ही उन (नारद मुनि) के शाप की (जो शाप उन्हें दक्ष प्रजापति ने दिया था और जिसके कारण वे एक स्थान पर नहीं ठहर सकते थे) गति रुक गई और मन के स्वाभाविक ही निर्मल होने से उनकी समाधि लग गई॥

मुनि गति देखि सुरेस डेराना। कामहि बोलि कीन्ह सनमाना॥
सहित सहाय जाहु मम हेतू। चलेउ हरषि हियँ जलचरकेतू॥

नारद मुनि की (यह तपोमयी) स्थिति देखकर देवराज इंद्र डर गया। उसने कामदेव को बुलाकर उसका आदर-सत्कार किया (और कहा कि) मेरे (हित के) लिए तुम अपने सहायकों सहित (नारद की समाधि भंग करने को) जाओ। (यह सुनकर) मीनध्वज कामदेव मन में प्रसन्न होकर चला॥

(क्रमशः....)

क्रांतिकारी पहल है बोर्ड की दो परीक्षा

आर0 पी0 रघुवंशी

अगले साल यानि कि वर्ष-2026 से भारत के 10वीं कक्षा के छात्र वर्ष में दो बार बोर्ड की परीक्षा दे सकेंगे। भारत के सबसे प्रसिद्ध शिक्षा बोर्ड के रूप में स्थापित केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने यह फैसला कर लिया है। एक साल में बोर्ड की दो परीक्षाएं कराने के फैसले को सीबीएसई का क्रांतिकारी कदम कहा जाना चाहिए। एक साल में दो बार बोर्ड की परीक्षा के विषय में हर कोई यही कहेगा कि यह छात्रों के हित में लिया गया शानदार फैसला है।

■ स्वागत योग्य फैसला है सीबीएसई बोर्ड का

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा वर्ष 2026 से दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार कराने संबंधी मसौदा नियमों को मंजूरी देना एक दूरदर्शी व सकारात्मक पहल तो है ही, विद्यार्थियों पर परीक्षा के दबाव को कम करने और उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिक लचीला बनाने की दृष्टि से भी स्वागतयोग्य है। वर्तमान में एक ही वार्षिक परीक्षा विद्यार्थियों के पूरे अकादमिक वर्ष के प्रदर्शन का निर्धारण कर देती है, जिससे छात्रों पर अत्यधिक मानसिक तनाव पड़ता है और जिसकी वजह से वे अपनी वास्तविक क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाते। अब दो बोर्ड परीक्षाओं की पद्धति उन्हें दूसरा अवसर देगी, जिससे वे, अगर चाहें तो, अपनी गलतियों को दुरुस्त कर बेहतर परिणाम पा सकेंगे। यह ध्यान देने योग्य है कि दो बोर्ड परीक्षाएं वैकल्पिक हैं, बाध्यकारी नहीं। साथ ही, अगर दूसरे प्रयास में अंकों में सुधार नहीं होता है, तो दोनों में से सर्वश्रेष्ठ अंक ही बरकरार रखे जाएंगे।

■ रटने की बजाय ज्ञान पर हो सकेगा जोर

मौजूदा परीक्षा प्रणाली में अधिकतर छात्र वर्ष भर क्रमबद्ध ढंग से पढ़ने के बजाय अंतिम समय में रटने पर अधिक निर्भर रहते हैं। चूंकि, शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करना ही नहीं, ज्ञान और समझ का विकास करना भी होता है, दो परीक्षाओं का विकल्प उन्हें समय के बेहतर प्रबंधन और तैयारी को संतुलित बनाने में मदद दे सकता है। हालांकि, यह सुनिश्चित किया जाना भी उतना ही जरूरी है कि दो बार बोर्ड परीक्षाएं कराने से शिक्षकों पर मूल्यांकन का जो अतिरिक्त दबाव पड़ेगा और पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए कम समय मिलेगा, उससे शिक्षण की गुणवत्ता पर असर न पड़े।

नई शिक्षा प्रणाली दरअसल उन अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणालियों की दिशा में एक कदम है, जहां छात्रों को कई अवसर दिए जाते हैं। जाहिर है कि सीबीएसई, जो देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय स्कूल बोर्ड है, के सामने नई प्रणाली के कार्यान्वयन संबंधी मुश्किलें होंगी, क्योंकि उसे अगला शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले ही दोनों परीक्षाओं को आयोजित करने, पेपरों का मूल्यांकन पूरा करने और नतीजों की घोषणा करने संबंधी प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करना होगा। लेकिन इस बदलाव का लाभ यह होगा कि यह छात्रों को परीक्षा के प्रति अधिक आत्मविश्वासी बनाएगा।

फिलहाल मसौदा नीति पर हितधारकों से प्रतिक्रियाएं मंगाई गई हैं, जिसके बाद ही इस नीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। लेकिन इसमें संदेह नहीं कि शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी मंशा के साथ लाया गया यह बहुप्रतीक्षित सुधार सुव्यवस्थित ढंग से लागू होने पर देश के शैक्षिक तंत्र को अधिक समावेशी और प्रगतिशील बनाएगा, लेकिन यह अपने असल उद्देश्य में सफल तभी होगा, जब सरकार, स्कूल और शिक्षक मिलकर काम करें।

नेशनल हाई-वे भी बनाइए, पेड़ भी बचाइए

केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद देश में नेशनल हाई-वे और एक्सप्रेस वे का निर्माण बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ। यह कार्य अनवरत जारी है। 2014-15 में जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो देश में कुल 97,830 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग थे। मार्च 2023 तक देश भर में अलग-अलग 145,155 किमी लंबे राजमार्ग हो चुके थे। ये कार्य निरंतर जारी है। राजमार्ग के साथ ही तेजी से जगह जगह स्टेट हाई वे और जिला मार्ग भी बन रहे हैं। इन मार्ग के बनाने के लिए भारी संख्या में सड़क के किनारे के पेड़ कट रहे हैं। कटने वालों पेड़ के मुकाबले लगने वाले वृक्षों की संख्या कम है। सरकारी आंकड़े हैं कि लगने वाले वृक्षों लगभग 24 प्रतिशत मर जाते हैं। ऐसे में आज जरूरत है कि किसी भी तरह का मार्ग बनाया जाए उसके किनारे के बड़े और पुरान पेड़ न काटें जाएं। उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाए।

लोकसभा में 22 जुलाई 2019 को दी गयी जानकारी में बताया गया था कि 2014 से 2019 के पांच साल के अंतराल में 1.09 करोड़ पेड़ काटने की अनुमति दी गई। सबसे ज्यादा अनुमति 2018-19 में 2691028 पेड़ काटने की दी गई। यह संख्या तो अनुमति लेकर काटे गए पेड़ों की है। मानना है कि इससे भी कई गुना पेड़ प्रति वर्ष बिना अनुमति लिए कट जाते हैं। ये काम उन अधिकारियों से मिलकर होता है, जो पेड़ों के कटान रोकने के लिए जिम्मेदार है। 13 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किए गए एक लिखित जवाब के मुताबिक वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के बीच देश भर में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत जितने पौधे लगाए गए थे, उसमें से 4.84 करोड़ पौधे खत्म हो गए।

उन्होंने दावा किया कि इन पांच वर्षों में कुल 20.81 करोड़ पौधे लगाए गए इसमें से 15.96 करोड़ पौधों को ही बचाया जा सका है। इस आधार पर यदि राष्ट्रीय औसत देखें तो प्रतिपूरक वनीकरण के तहत वन कटाई के बदले जितने पौधे लगाए जा रहे हैं, उसमें से 24 फीसदी पौधे तमाम कारणों से खत्म हो जाते हैं। एक पेड़ की कीमत जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी एक पेड़ की कीमत 74 हजार 500 रुपये प्रति सालाना हो सकती है। हर हर साल बीतने के साथ ही उसकी कीमत में ये राशि जुड़ जाती है। इस एक पेड़ की कीमत से हम अनुमान लाग सकते है कि प्रतिवर्ष लाखों पेड़ काट कर देश की कितनी बड़ी संपदा का हम दौहन कर रहे हैं।

वि?कास के लिए जहां पेड़ों का कटना जरूरी है वहीं समय की जरूरत कुछ और है। वनों का तेजी के साथ दोहन होने से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जलवायु बदल रही है। सासों पर संकट बढ़ रहा है। पोल्यूशन बढ़ने के कारण आक्सीजन मिलना दुर्लभ होता जा रहा है। इसी से महानगरों में आदमी की आम आयू कम हो रही है। इसीलिए आज जरूरी हो गया है कि विकास के लिए पेड़ों को न काटा जाए। इन पेड़ों को काटने की जगह यदि इन्हें दूसरी खाली जगह पर ले जाकर लगाया जाए तो समस्या का निदान हो सकता है। कुछ जगह पर यह कार्य हुआ भी है। गाजियाबाद-दिल्ली ऐलिवेटेड रोड को बनाते समय 64 पेड़ उठाकर दूसरी जगह

लगाए गए। उत्तराचंल में भी कई साल पहले यह कार्य हुआ। इसके लिए हम यह कर सकतें हैं कि छोटे पेड़ काट दिए जाएं किंतु बड़े पेड़ दूसरी जगह लगा दिए जाएं। पेड़ का लगाना बहुत सरल है। उसे देखरेख करना बड़ा करना बहुत ही कठिन है।

पेड़ों के दोहन में सरकारी नीति भी जिम्मेदार है। नियम है कि पेड़ के काटने के आवेदन के साथ-साथ यह वायदा कराया जाता है कि आज कटे एक पेड़ की जगह दो पेड़ लगाएंगे। प्रति पेड़ काटने के लिए वन विभाग को दो सौ रुपया प्रति पेड़ सुरक्षा धन जमा करना होता है। पेड़ लगाकर वन अधिकारी को आप दिखा देंगे कि पेड़ लगा दिए तो सुरक्षा धन वापस हो जाएगा। आज के समय में दो सौ रुपये कोई मूल्य नहीं रखता । इसलिए कोई पेड़ लगाता नहीं। वन अधिकारी ये दो सौ रुपया सुरक्षा राशि जब्त कर लेते हैं। इस राशि से विभाग बरसात में वृक्षारोपण करता है। पेड़ लगवाने हैं तो हमें यह दो सौ की सुरक्षा राशि बढ़ाकर कम से कम पांच हजार करनी होगी। यह भी आदेश करना होगा कि दस साल से बड़े पेड़ कटेंगे नहीं। दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिए जाएंगे।

एक बात और अवैध रुप से पेड़ कटान का दंड पांच हजार रुपया है। न पकड़े गए तो कुछ भी नहीं। पकड़े जाने पर वन अधिकारी खेल कर लेते हैं। कटते सौ पेड़ हैं दिखाते दस है। इसी तरह से कम पेड़ की अनुमति लेकर ज्यादा पेड़ काटे जाने का प्राय: चलन है। किसान को जरूरत के लिए अपनी भूमि से वृक्ष काटने की अनुमति हो किंतु अवैध रूप से पेड़ काटने पर एक पेड़ पर कम से कम 50 हजार रुपया जुर्माना और छह माह की सजा का प्रावि?धान होना चाहिए। कोई भी सड़क या उद्योग का प्रोजेक्ट पास करने से पहले पूछा जाना चाहिए कितने पेड़ हैं? दस साल से ज्यादा आयु के पेड़ की संख्या और उससे बड़े इन पेड़ों को किस जगह लगाया जाएगा इस योजना और बजट की जानकारी भी दें। ऐसा करने से हमको ज्यादा पेड़ नहीं लगाने पड़ेंगे। हमारी भूमि भी हरी भरी रहेगी।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए काम कर रहे जानकार बताते हैं कि पौधारोपण के नाम पर आमतौर पर सजावटी और विदेशी पौधे रोप दिए जाते हैं जो कम समय में बड़ा आकार ले लेते हैं लेकिन वे किसी भी दृष्टि से पर्यावरण के लिए लाभकारी नहीं होते। इस बात की निगरानी होनी चाहिए और साथ ही जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि काटे गए पेड़ों के स्थान पर ईमानदारी से पौधारोपण कर हरियाली को बरक़रार रखने की कवायद हो। पेड़ फलदार हों या परम्परागत भारतीय पेड़ लगे। पीपल, वटवृक्ष, नीम, पिलखन, साल, शीशम, जामुन और आम जैसे वृक्ष प्रमुखता से लगाए जाएं।

- अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, यात्रा में उतार-चढ़ाव, आय में उतार-चढ़ाव। थोड़ा मध्यम समय दिख रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा कष्टकारी हो सकती है। स्वास्थ्य, प्रेम मध्यम है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
नए व्यापार की शुरुआत न करें। कोर्ट-कचहरी से बचें। स्वास्थ्य मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। थोड़ा बचकर पार करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान सही है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। साथ पर भी ध्यान दें। प्रेम, संतान ठीक है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। डिस्टर्ब रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान लगभग ठीक है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक स्थिति दबाव में रहेगी। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
गृह कलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है लेकिन कलह बढ़े स्तर की हो सकती है।

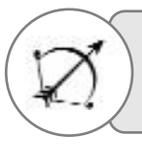

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अपनों की सेहत पर ध्यान दें। स्वंय की सेहत पर ध्यान दें। व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। प्रेम, संतान पहले से बेहतर।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के योग हैं। कुटुंब से अनबन का योग है। वाहन और निवेश पर काबू रखें। प्रेम, संतान ठीक-ठाक।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

अवैध झुग्गियां व चौराहों पर लगे बैरियर से उद्यमी परेशान

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सैक्टर-27, नोएडा कार्यालय में जिला उद्योग बन्धु बैठक का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के वरि उपाध्यक्ष राकेश कोहली एंव कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन ने उद्यमियों से जुड़ी समस्याओं से डीएम को अवगत कराया।

बैठक में उन्होंने कहा कि कुछ उद्यमी जल-/सीवर प्रभार के बिल न मिलने के कारण देयताओं का भुगतान नही करा पाये जिसके कारण देय धनराशि पर ब्याज कई गुणा हो गया है अत: लम्बित जल-राजस्व पैनाल्टी एंव कुल ब्याज पर छूट की योजना लाई जाए।

मैसर्स सिंगारी पेपर कन्वर्टर को वर्ष 2014 में सी-17, सैक्टर-80, नौएडा को प्राधिकरण द्वारा भूमि पर कब्जा प्राप्त न कर पाने के कारण जीरो पीरियड का लाभ दिया गया । परन्तु निबन्धन विभाग इसे न मानते हुए उनकी बंधक बैंक गारन्टी को जब्त कर ली।

ग्रेटर नौएडा विकास प्राधिकरण द्वारा बीपीओ BPO/IT(Institutional) योजना कोड 01/2024 निकाली गई थी । जिसमें भूखंडो का आवंटन ऑक्शन के माध्यम से किया गया। उक्त योजना में मैसर्स जीडीएक्स सिक्योरिटी सॉल्यूशन इंडिया प्रा.0लि0 द्वारा उच्चतम बोली लगाने के उपरांत प्राधिकरण द्वारा कम्पनी के खाते में जमा कराई गई ई0एम0डी0 की धनराशि रिफन्ड कर दी। उद्यमी को रिफन्ड की गई धनराशि वापिस लेकर भूखंड आवंटित किया जाए ।

सैक्टर-63 के जी ब्लाक वाली एफएन.जी. रोड़ के साथ लगी वन विभाग की भूमि पर तथा डी.एन.डी. से नौएडा की ओर आने वाली सड़क के बाई ओर झुग्गी-झोपड़ी बना दी गई है। सैक्टर-11 में सैक्टर-1 से आने वाले चौराहे में रेड लाईट पर कोराना काल से अनावश्यक रूप से बैरियर लगाये गये है।

उपरोक्त समस्याओं के सुनने के पश्चात् जिलाधिकारी ने प्राधिकरण के अधिकारियों से कहा कि सभी समस्याओं को जल्द निस्तारण किया जाए। साथ ही कहा तीनों प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठक की जाएगी।

बैठक में एन.ई.ए. के वरि0 उपाध्यक्ष राकेश कोहली, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, उपाध्यक्ष मोहन सिंह, राजेन्द्र मोहन जिंदल, अजय सरीन, असीम जगिया शामिल हुए।

'डायरिया से डर नहीं' अभियान शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। ओआरएसएल बनाने वाली कंपनी केनव्यू ने पॉपुलेशन सर्विसेज़ इंटरनेशनल

इंडिया (पीएसआई इंडिया) के साथ मिलकर एक नई जनस्वास्थ्य पहल 'डायरिया से डर नहीं' की शुरुआत की है। अगले दो से अधिक वर्षों में लगभग 5 मिलियन बच्चो तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ, यह पहल उत्तर प्रदेश के 7 जिलों और बिहार के 3 जिलों में दस्त से होने वाली मृत्यु दर को कम करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार पर केंद्रित होगी।

यह पहल सरकार के स्टॉप डायरिया अभियान के प्रयासों को पूरक करेगी, जिसका लक्ष्य भारत में दस्त के कारण शून्य शिशु मृत्यु दर प्राप्त करना है। 'डायरिया से डर नहीं'अभियान के तहत, ओआरएसएल के निर्माता केनव्यू और पीएसआई इंडिया राज्य सरकार के अधिकारियों और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर एक एकीकृत दस्त प्रबंधन कार्यक्रम लागू करेंगे। यह कार्यक्रम रोकथाम और उपचार के दोनों पहलुओं पर केंद्रित होगा, जिसमें विशेष रूप से 0 से 5 वर्ष के बच्चों पर ध्यान दिया जाएगा।

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों होंगे जिसमें कि पहला उद्देश्य बिन्दु में समुदाय में जागरुकता बढ़ाना और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करना ताकि दस्त प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सके। दूसरा उद्देश्य बिन्दु में आशा कार्यकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं और देखभालकर्ताओं की क्षमता निर्माण में सहायता करना, जो इस स्थिति के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके तीसरे उद्देश्य बिन्दु में बच्चों में ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट और जिंक के वितरण के साथ-साथ समग्र हाइड्रेशन समाधानों द्वारा डायरिया के मामलों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करना और मामलों के उच्च कवरेज और प्रबंधन को बढ़ावा देना। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के बदायूं, मथुरा, उन्नाव, मुरादाबाद, गोंडा, श्रावस्ती, और फिरोजाबाद जिलों में लागू किया जाएगा।

अम्प्रो ने पेश की ब्यूटी प्रोडक्ट की नई रेंज

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व की महिलाएं हमेशा से सजने-संवरने की शौकीन रही हैं और इसका फायदा ब्यूटी सैलून से लेकर बड़े ब्रांड्स उठाते हैं, भारत में महिलाएं सौंदर्य उद्योग या ब्यूटी इंडस्ट्री की सबसे बड़ी ग्राहक के तौर पर काफी आगे हैं। इसी को देखते हुए नोएडा की स्थानीय कंपनी अम्प्रो ने भी लांच की है ब्यूटी प्रोडक्ट की नई रेंज। अम्प्रो के संस्थापक अमित पोरवाल ने बताया कि हमने सौंदर्य से जुड़े 106 प्रोडक्ट की बड़ी रेंज तैयार की है, जिसमें आज गोल्ड ब्लीच, व्हाइट चॉकलेट वैक्स, फेस वैक्स, केराटिन स्पा, शैंपू, डी-टेन क्रीम लॉन्च कर रहे है।

हमारे ब्यूटी प्रोडक्ट्स बहुत ही किफायती है और क्वालिटी में किसी भी ब्रांडेड प्रोडक्ट से कम नहीं है।

सड़क खराब, लोग परेशान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सिग्मा सेक्टर-2 में सड़कों की खस्ताहाल के कारण लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि सिग्मा सेक्टर-2 की सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की खराब हालत के कारण किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। लोगों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से शीघ्र सड़क के मरम्मत की मांग की है।

सिग्मा सेक्टर-2 से लेकर फोर्टिस हॉस्पिटल से गौर तुल्य सोसायटी तक यह सड़क जाती है जिसमें जगह-जगह जान लेवा गड्ढे बन गये हैं। गौर तुल्य सोसायटी निवासी अवतार सिंह ने बताया कि सड़क काफी समय से खराब है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से शिकायत भी की है।

जनता का विश्वास ही भाजपा का मूलमंत्र : प्रणीत भाटी

फरीदाबाद/ग्रेटर नोएडा। फरीदाबाद में हो रहे नगर निगम के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपने दिग्गजों को चुनावी समर में उतार कर जीत हासिल करने के अभियान में जुट गई है। इसी कड़ी में आज गौतम बुद्ध नगर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी प्रणीत भाटी फरीदाबाद पहुंच कर भाजपा के वार्ड-24 के पार्षद प्रत्याशी अजय प्रताप भड़ाना एवं मेयर पद की प्रत्याशी श्रीमती प्रवीन जोशी के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार किया इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रणीत भाटी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नगर निगम के चुनाव में प्रचण्ड बहुमत के साथ जीत हासिल करने जा रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर चुनावी समर में उतर चुका है। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 24 से भाजपा के पार्षद प्रत्याशी अजय प्रताप भड़ाना एक कर्मठ एवं जुझारू नेता है। उन्होंने कहा कि मेयर पद की प्रत्याशी श्रीमती प्रवीन जोशी भी ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव प्रचार में जी जान से लग जाने की अपील करते हुए कहा कि जिस तरह से दिल्ली में जीत हुई थी। वही काम दोहराना है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र है।

स्कूल से लौट रहे सातवीं के छात्र को पागल कुत्ते ने काटा, गंभीर

ग्रेटर नोएडा। हरियाणा सीमा से सटे जेवर के झुप्पा गांव में आवारा पागल कुत्ते ने सातवीं कक्षा के छात्र पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बच्चा स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रहा था। रास्ते में अचानक कुत्ते ने बच्चे के चेहरे पर हमला कर चमड़ी व मांस नोंच लिया।

लहूलुहान हालत में स्वजन उसे लेकर जेवर सीएचसी पहुंचे, जहां एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) लगाने के बाद उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि स्वजन ने बच्चे को जेवर के प्राइवेट अस्पताल में इलाज शुरू कराया। जेवर के झुप्पा गांव के विजेंद्र सिंह ने बताया कि उनका 11 वर्षीय बेटा हेमंत गांव के सरकारी स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र है। मंगलवार को हेमंत स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रहा था। हेमंत के स्कूल से लौटते वक्त पागल कुत्ते ने कुत्ते ने सीधे बच्चे की गर्दन पर हमला बोला। बच्चे ने कुत्ते के जबड़े से किसी तरह गर्दन तो बचा ली, पर कुत्ते ने उसके चेहरे चेहरे की दाहिनी तरफ कनपटी से चमड़ी व मांस नोच लिया। कुत्ते के लगातार हमले से बच्चे की चीख-पुकार पर राहगीरों ने दौड़कर बचाया। स्वजन बच्चे को लेकर जेवर सीएचसी पहुंचे।

बच्चे की गंभीर हालत को देख उसे दिल्ली सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि स्वजन ने बच्चे को जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराते हुए उपचार कराया। बच्चे की स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं, कुत्ते के हमले के बाद बच्चा डरा है।

आइकिया ने उत्तर भारत में पांव बढ़ाये

1 मार्च से कई शहरों में ऑन लाइन शुरू होगी डिलीवरी

नोएडा (चेतना मंच)। दुनिया की सबसे पसंदीदा 82 साल पुरानी स्वीडिश होम फर्निशिंग रिटेलर IKEA ने उत्तर भारत के बहुप्रतीक्षित बाज़ार में प्रवेश की घोषणा की है। इस पहल के तहत, दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आगरा, प्रयागराज (इलाहाबाद), अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना और वाराणसी सहित 9 शहरों में ऑनलाइन डिलीवरी शुरू की जाएगी। 1 मार्च से इन क्षेत्रों के ग्राहक IKEA ऐप, www.ikea.in वेबसाइट और फोन के जरिए उपलब्ध खरीद सहायता का उपयोग करके 7000 से अधिक उत्पादों और समाधानों को आसानी से ब्राउज़ और खरीद पाएंगे। ग्राहक न केवल

फर्नीचर को इकट्ठा करने के IKEAके प्रतिष्ठित DIY तरीके का आनंद लेंगे, बल्कि होम फर्निशिंग में ब्रांड की विशेषज्ञता से भी लाभान्वित होंगे, जिससे उन्हें होम प्लानिंग, इंटीरियर डिजाइन सेवाओं और आसान फर्नीचर असेंबली और इंस्टॉलेशन के साथ दूर से अपने घरों को सजाने में मदद मिलेगी।

IKEA इंडिया की सीईओ और चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर सुज़ैन पुल्वरर ने कहा, जब से हमने हैदराबाद में अपना पहला स्टोर खोला है, हमें उत्तर भारत से लगातार अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। हमारे BwB चैनलों के माध्यम से इन शहरों से सैकड़ों ऑर्डर आ रहे हैं, हमें लगातार ऑनलाइन खोजा जा रहा है, ऐप डाउनलोड किया जा रहा है देश में अपने सर्व-चैनल विकास को मजबूत करने के साथ-साथ, दिल्ली एनसीआर और अन्य बाजारों में यह लॉन्च हमारे भविष्य के विकास के लिए एक मजबूत आधार साबित होगा। उत्तर भारत निस्संदेह भारत में सबसे बड़ा होम फर्निशिंग बाजार है।

IKEA का लक्ष्य इस अवसर का लाभ उठाकर भारत और वैश्विक स्तर पर इस श्रेणी में अपने नेतृत्व को मजबूत करना है, जो होम फर्निशिंग क्षेत्र में अपने दशकों के अनुभव पर आधारित है। यह गहरी समझ वर्षों की जिज्ञासा और सीखने की इच्छा से आती है। इसके लिए केवल फर्नीचर से आगे बढ़कर भारत भर में हजारों घरों का दौरा करना होगा ताकि लोगों के रहने के तरीके, उनकी दैनिक रस्में, ज़रूरतें और आकांक्षाएँ समझी जा सकें। इन जानकारियों को चल रहे शोध और वैश्विक विशेषज्ञता के साथ जोड़कर, IKEA यह सुनिश्चित करेगा कि उसके समाधान उपयोगी, स्मार्ट और किफ़ायती हों, जिससे लोगों के रोज़मर्रा के जीवन में सुधार हो। भारत में, IKEA लगभग 300 मिलियन ऑनलाइन और ऑफ़लाइन विज़िटर और 2.7 मिलियन से अधिक IKEA परिवार के सदस्यों का स्वागत करता है। औपचारिक रूप से बाज़ार में प्रवेश करने से पहले ही, दिल्ली एनसीआर में 1 लाख से अधिक ग्राहक इस समुदाय का हिस्सा बनने के लिए साइन अप कर चुके हैं। बाजार का विशाल आकार, क्षेत्र में घरों और जरूरतों की विविधता, तेजी से डिजिटलीकरण और एक संगठित श्रेणी स्थापित करने की गुंजाइश, साथ ही कई लोगों के रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाने की दृष्टि, इस अगले चरण में IKEA के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

'मर्दों के बार...

कहा कि वो (मानव) शराब पीकर मुझे मारते थे। मैंने भी सब कुछ सहा है। ये बात गलत है कि लड़के की नहीं सुनी जाती है। आप मेरी भी सुनो। मैं क्या बोलना चाहती हूं। मेरे साथ उन्होंने मारपीट की थी। मैंने उनके माता-पिता को भी यह बात बताई थी, लेकिन वो कहते थे कि ये पति-पत्नी का मैटर है, आप लोग ही सुलझाएं।

निकिता के मुताबिक, जिस दिन मानव की डेथ हुई, उसी दिन मैंने उसकी बहन को बोला था कि वो फांसी लगा रहा है, आप लोग कुछ करो... तो उसकी बहन ने बोला कि आप सो जाओ कुछ नहीं होगा। फिर मैंने उसके पापा को भी मैसेज किया पर किसी ने नहीं सुनी। उसके घरवालों ने मेरे साथ बदतमीजी की और धक्के देकर मुझे घर से निकाल दिया।

निकिता ने कहा कि मेरे पति ने सुसाइड कर लिया है। वो मुझे घर पर छोड़कर गए थे। मैंने उनका वीडियो देखा है। जो मुझपर आरोप लगाए हैं वो एक पास्ट था। जो भी चीजें थी वो शादी के पहले की थी। बाद में ऐसा कुछ नहीं था। उन्होंने एक बार, दो बार, तीन बार खुद को हार्म किया। फांसी लगाने की बार-बार कोशिश की। मैंने ही फंदा काटा। उन्होंने अपना हाथ काटने की भी कोशिश की थी। फिर मैं उनको आगरा लेकर आई थी। वो मुझे खुशी- खुशी घर छोड़कर गए थे और उसी रात उन्होंने फांसी लगा ली।

दरअसल, मानव शर्मा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। मौत को गले लगाने से पहले मानव ने रोते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उन्होंने पत्नी के चरित्र पर सवाल उठाए थे। साथ ही उस पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था।

'ड्रिप तकनीक से...

करके पहुंचाया जाता है। इसे टपक सिंचाई या बूंद-बूंद सिंचाई भी कहा जाता है। ड्रिप सिंचाई में पानी की बर्बादी कम होती है और पौधों को ज़रूरी मात्रा में पानी मिलता है। इसमें खर्चा सिर्फ पानी सप्लाई के पाइप की आवश्यकता होती है। इको फ्रेंडली बनाने के लिए मशीन आपरेशन का सारा काम सोलर एनर्जी से किया जाएगा।

2014 से पहले कुछ नहीं था

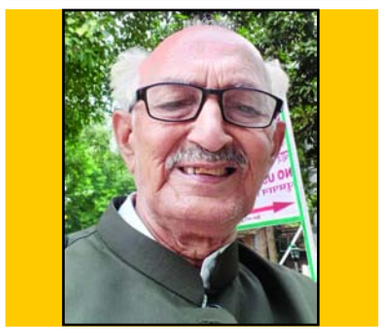

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

कहते हैं 2014 के पहले देश में कुछ नहीं था
जनता भी बोलती है कि 2014 से पहले देश में कुछ नहीं था और जनता मानती भी है कि 2014 से पहले देश में कुछ नहीं था
तो लोगों जरा यह बताओ कि - 2014 के पहले तुम थे?
तो क्या तुम्हारे पास कान ,आंख, नाक, मुंह, सिर, पैर कुछ भी नहीं था,न है, तुम दिव्यांग थे।
और आज भी तुम्हारे पास आंख, कान , मुंह कुछ भी नहीं है
यह भी मान लिया जाए
तो फिर तुम जिंदा किस लिए हो?

चेतना मंच नोएडा
के प्रकाशन के संबंध में
फार्म-4
(नियम-8 देखिए)

1. प्रकाशन स्थल:	नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
2. प्रकाशन अवधि:	दैनिक
3. मुद्रक का नाम:	रामपाल सिंह रघुवंशी
क्या भारत का नागरिक है:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश):	XXX
पता:	ए-131, सेक्टर-83, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
4. प्रकाशक का नाम:	रामपाल सिंह रघुवंशी
क्या भारत का नागरिक है:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश):	XXX
पता:	ए-131, सेक्टर-83, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
5. संपादक का नाम:	रामपाल सिंह रघुवंशी
क्या भारत का नागरिक है:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश):	XXX
पता:	ए-131, सेक्टर-83, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक के साझेदार/हिस्सेदार हों:	रामपाल सिंह रघुवंशी (एकल स्वामी) ए-131, सेक्टर-83, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

मैं रामपाल सिंह रघुवंशी एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये सभी विवरण सत्य हैं।
दिनांक: 28 फरवरी 2025
ह./रामपाल सिंह रघुवंशी
प्रकाशक

खास खबर

सेना से ट्रांसजेंडर सैनिकों को हटाएगा अमेरिका

पेंटागन । अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा कि अमेरिका 30 दिनों के भीतर सेना से ट्रांसजेंडर सैनिकों को हटाना शुरू कर देगा, जब तक कि उन्हें केस-दर-केस आधार पर छूट न मिल जाए। मेमो में कहा गया है, जिन सेवा सदस्यों में लिंग डिस्फोरिया का वर्तमान निदान या इतिहास है, या जो लिंग डिस्फोरिया के अनुरूप लक्षण प्रदर्शित करते हैं, उन्हें सैन्य सेवा से अलग करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

माउंट आबू के जंगल में युवक ने किया सुसाइड

अहमदाबाद । गुजरातियों के पसंदीदा हिल स्टेशन माउंट आबू के जंगल में गुजरात के एक युगल ने जहरीली दवाई पीकर अपनी जान दे दी जहरीली दवाई पीने के बाद युवक ने जिस होटल में दोनों रुके वहां फोन कर मदद की गुहार भी लगाई थी और उसके बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां पहले युवती और बाद में युवक की मौत हो गई जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्रनगर जिले का एक प्रेमी जोड़ा घूमने के लिए राजस्थान के हिल स्टेशन माउंट आबू गया था जिस होटल में युगल ठहरा था वहां के स्टाफ से पूछताछ के बाद एक स्कूटर किराये पर लिया और आबू के जंगलों में घूमने निकल गयो बुधवार की दोपहर स्कूटर पर युगल होटल से निकला और शाम के वक्त गुरु शिखर पर से शूटिंग पोइंट की ओर जा रहा था।

बदमाशों ने 5 दुकानों में लगा दी आग

औरंगाबाद । औरंगाबाद जिले के मनिका बाजार में बीती रात बदमाशों ने 5 दुकानों में आग लगा दी। इस आगजनी में सब्जी की दुकान, जनरल स्टोर, स्वीट होम होटल, चाट और किराना की दुकानें जलकर राख हो गईं। स्थानीय लोगों ने आधी रात को दुकानों से निकलती आग की लपटें देखीं। दुकानदारों को तुरंत सूचना दी गई। इसके बाद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। मदनपुर थाने से दमकल वाहन भेजा गया, लेकिन तब तक दुकानों का सारा सामान जल चुका था। पीड़ित दुकानदारों के अनुसार वे शाम को दुकानें बंद कर घर गए थे। व्यापारियों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि ये दुकानें ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन थीं।

पुलिस ने की 10 करोड़ कीमत की दवाइयां नष्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने 40 मामलों में 10 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयों को नष्ट कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तलोजा स्थित एक प्रतिष्ठान में महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक और विधायक प्रशांत ठाकुर की उपस्थिति में इन दवाइयों को नष्ट किया गया। पुलिस ने बताया कि साल 2023 और 2024 में 1,143 मामलों के संबंध में 56 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयां जब्त की गई थीं और 1,743 लोगों को गिरफ्तार किया था।

टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग, 500 करोड़ के नुकसान की आशंका

- 24 घंटे बाद भी आग बेकाबू, मार्केट में बनी 450 दुकानें जलीं, 40 दमकल गाड़ियां रेस्क्यू में जुटीं

एजेंसी

सूरत/अहमदाबाद। सूरत रिंग रोड स्थित शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में आग लगने के 24 घंटे बाद भी लेकिन काबू नहीं पाया जा सका है। इसके कारण कपड़ा व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। इस आग से 500 करोड़ से अधिक के नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। सूरत अग्निशमन विभाग पिछले 24 घंटे से 40 से अधिक दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटा हुआ है। सूरत के शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट के बेसमेंट में एक दिन पूर्व बुधवार सुबह लगी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। आग को लगे 24 घंटे से अधिक का समय हो गया है। दमकल की गाड़ियां और फायर ब्रिगेड कर्मी लगातार रेस्क्यू में जुटे हुए हैं। इस बीच रात के समय आग का खौफनाक मंजर ड्रोन कैमरों में कैद हुआ है। भीषण आग की जद में 800 से ज्यादा दुकानें आई हैं, जिनमें करीब 450 दुकानें जलकर राख हो गईं। व्यापारियों की माने तो इस भीषण आग में 500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। व्यापारी नरेश जैन ने कहा कि शिवशक्ति मार्केट में लगी आग से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। सरकार को हमें राहत देनी चाहिए। सूरत में कपड़ा व्यापारी बहुत अधिक कर चुकाते हैं। निगम को भी कर का भुगतान करते हैं। राज्य सरकार को हमारे लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा करनी चाहिए। जिन दुकानों में आग नहीं लगी है, वहां उनके व्यापारी मालिकों को जल्दी अग्निशमन विभाग कर्मी या पुलिस के साथ जाने दिया जाए ताकि वहां रखे उनके खाते-बही व अन्य आवश्यक सामान को निकालकर सुरक्षित किया जा सके।

ट्रक की टक्कर से हवा में उछला ऑटो, 4 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

भोजपुर। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत पटना-बक्सर हाईवे पर शाहपुर बनाही अंडरपास के नजदीक गुरुवार की सुबह बेकाबू ट्रक ने एक ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाद ऑटो हवा में उछलकर सड़क के नीचे आ गया। इसमें चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। जबकि ,एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। मृतकों में तीन महिला और एक बच्चा शामिल हैं। घायलों का इलाज सदर अस्पताल,आरा में चल रहा है। सभी मृतक और घायल पटना तथा हाजीपुर समेत अन्य जिले के बताए जाते हैं। हादसे का कारण अनियंत्रित परिचालन बताया जा रहा है।

अफगानिस्तान में भीषण बर्फबारी, 39 लोगों की मौत

- खराब मौसम के कारण 240 घर पूरी तरह नष्ट हो गए और 61 अन्य क्षतिग्रस्त

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में हुई भीषण बर्फबारी ने हाहाकार मचा दिया है। आम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। बर्फबारी और बारिश के कारण 39 लोगों की मौत हो गई है और 40 अन्य घायल हो गए। घायलों का इलाज कराया जा रहा है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि भयानक बर्फबारी और बारिश के चलते अन्य जिंदगियां भी दहशत में हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि देश के अधिकतर प्रांतों में कई दिनों तक हुई बारिश से सूखे का प्रभाव कम हुआ है, लेकिन इससे जानमाल की क्षति हुई है। साइक ने कहा कि खराब मौसम के कारण 240 घर पूरी तरह नष्ट हो गए और 61 अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा, सर्वेक्षण दल प्रभावित क्षेत्रों में गए हैं और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से सर्वेक्षण जारी है। प्रवक्ता ने कहा, बर्फबारी के कारण कुछ प्रांतों में सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं और लोक निर्माण मंत्रालय के सहयोग से उन्हें फिर से खोलने के प्रयास हो रहे हैं।

दशकों से चले आ रहे युद्ध के बाद अफगानिस्तान दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है और यह विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति संवेदनशील है, जो वैज्ञानिकों का कहना है कि चरम मौसम को बढ़ावा दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों में यह छठे स्थान पर है। पिछले साल मई में आई बाढ़ ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली थी और अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हो गई थी, जहां 80 प्रतिशत लोग जीवित रहने के लिए खेती पर निर्भर हैं।

स्पेसएक्स मून मिशन की सफल लॉन्चिंग

वाशिंगटन । अमेरिका की प्राइवेट स्पेस कंपनी स्पेसएक्स का दूसरा मून मिशन एथेना आईएम-2 गुरूवार सुबह भारतीय समयानुसार सुबह 5:45 पर लॉन्च किया गया। इसे अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। पिछले दो महीने में स्पेसएक्स की तरफ से चंद्रमा पर भेजा जाने वाला यह दूसरा लैंडर है। 15 जनवरी 2025 को पहला मून लैंडर ओडिसियम आईएम-2 अंतरिक्ष में भेजा गया था। 22 फरवरी को इसने चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग की मगर थोड़ी देर बाद यह पलट गया। पहले लैंडर के फेल होने के बाद स्पेसएक्स ने पांच दिन बाद दूसरा मून मिशन लॉन्च किया।

पढ़ते यहां हैं और भारत जाकर बन जाते हैं अरबपति : ट्रंप

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि लोग दूसरे देशों से अमेरिका में आकर पढ़ते हैं और अपने-अपने देशों में जाकर अरबपति बन जाते हैं। नए गोल्ड कार्ड पर बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इमिग्रेशन पॉलिसी पर सवाल उठाए हैं। इस दौरान उन्होंने खासतौर से भारत के छात्रों का जिक्र किया है, जो अमेरिका में शिक्षा हासिल करते हैं। नए गोल्ड कार्ड पर बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इमिग्रेशन पॉलिसी पर सवालिया निशान लगाए हैं, जिसके चलते दूसरे देशों और खासतौर से भारत के होनहारों को अमेरिका छोड़कर जाना पड़ता है। इस पॉलिसी के परिणामों को लेकर ट्रंप ने कहा कि कई होनहार छात्रों को मजबूरी में अमेरिका छोड़कर जाना पड़ता है। अपने-अपने देशों में जाकर अरबपति बन जाते हैं। ट्रंप ने 50 लाख डॉलर में गोल्ड कार्ड देने की योजना शुरू की है, जिसके तहत अमेरिका की नागरिकता हासिल करने का रास्ता आसान हो जाएगा। बुधवार को ट्रंप ने मौजूदा इमिग्रेशन पॉलिसी पर सवालिया निशान लगाए हैं, जिसके चलते दूसरे देशों और खासतौर से भारत के होनहारों को अमेरिका छोड़कर जाना पड़ता है। इस पॉलिसी के परिणामों को लेकर ट्रंप ने कहा कि कई होनहार छात्रों को मजबूरी में अमेरिका छोड़कर जाना पड़ता है।

इजराइल ने चार मृत बंधकों के शवों के बदले सैंकड़ों फिलिस्तीनी कैदी रिहा किए

एजेंसी

गाजा । गाजा में युद्ध विराम के पहले चरण के समाप्त होने से पहले, हमास ने सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में गुरुवार को सुबह रेड क्रॉस को चार मृत बंधक सौंपे। एक इजरायली सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि हमास ने बंधकों के शव रेड क्रॉस को सौंप दिए हैं। इजरायल ने कहा कि ताबूतों को मिस्र के मध्यस्थों की मदद से इजरायली क्रॉसिंग के माध्यम से पहुंचाया गया और पहचान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हमास और इजरायल के बीच युद्ध विराम समझौते के पहले चरण की मियाद शनिवार को खत्म होने वाली है। इसके पहले हमास ने इजरायल के चार मरे हुए बंधकों के शव को सौंप दिया। दरअसल, हमास ने इजराइल की ओर से सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों को रिहा करने के बदले में गुरुवार सुबह चार बंधकों के शवों को रेड क्रॉस को सौंप दिया। ये शव ताबूतों में सौंपे गए। जब हमास ने बंधकों के शव सौंपे करीब उसी समय रेड क्रॉस का काफिला रिहा किए गए कई दर्जन फलस्तीनी कैदियों को लेकर इजराइल की ओफर जेल से निकला।

मुंबई डिफेंस विभाग में करोड़ों का फजीवाड़ा

मुंबई। मुंबई के कोलाबा में डिफेंस विभाग संचालित प्रतिष्ठान यूनाइटेड सर्विसेज क्लब (यूएस क्लब) में 77.52 करोड़ रुपए की बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी का पता चला है। इस प्रतिष्ठित क्लब का संचालन भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना करती है। नौसेना की शिकायत के बाद धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए दो लोगों और एक गैर-सरकारी संगठन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी जनवरी 2005 से अक्टूबर 2024 के बीच क्लब में आर्थिक अनियमितताओं में शामिल थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे हमेशा यात्रियों की सुविधा के लिए रहता है तत्पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने महाकुंभ में भाग लेने वाले लाखों तीर्थयात्रियों की यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशाल लॉजिस्टिक प्रयास किए हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए भारतीय रेलवे ने विभिन्न शहरों से विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की है। दक्षिण पूर्व रेलवे हमेशा यात्रियों की सुविधा के लिए तत्पर रहता है और महाकुंभ तीर्थयात्रियों के लिए भी विशेष ट्रेनों का संचालन किया है। दक्षिण-पूर्वी रेलवे ने रांची, झारखंड की राजधानी से रांची-तुंडला-रांची विशेष ट्रेन की दो जोड़ियाँ चलाई हैं। इसके अलावा टाटानगर-तुंडला-टाटानगर के बीच भी एक विशेष ट्रेन चलाई गई है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में विशेष ट्रेनें भी चलाई गई हैं, जैसे कि- टिटलगढ़-तुंडला-टिटलगढ़ (छह जोड़ियाँ), भुवनेश्वर-तुंडला-भुवनेश्वर (छह जोड़ियाँ), पुरी-तुंडला-पुरी (तीन जोड़ियाँ), तिरुपति-बनारस-तिरुपति विशेष (चार जोड़ियाँ), नरसापुर-बनारस-नरसापुर विशेष (दो जोड़ियाँ)। इसके अलावा, छह जोड़ी नियमित ट्रेनें भी दक्षिण-पूर्वी रेलवे क्षेत्राधिकार में प्रयागराज में रुकती हैं। रांची, टाटानगर, बोकारो, राउरकेला, पुरुलिया, बालेश्वर, खड़गपुर, कोलकाता और अन्य स्थानों से तीर्थयात्रियों ने दक्षिण-पूर्वी रेलवे क्षेत्र से यात्रा की है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने प्रमुख स्टेशनों पर विशेष इंतजाम किए हैं। अतिरिक्त हेल्प डेस्क, पेयजल, सफाई, प्राथमिक चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही, रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस, रेलवे कर्मचारियों, स्काउट्स और गाइड्स, और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की विशेष टीमों ने भीड़ को कुशलतापूर्वक प्रबंधित किया। प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई है और स्टेशनों और ट्रेनों में गश्ती प्रणाली को मजबूत किया गया है। रेलवे प्रशासन ने विशेष ट्रेनों के समय पर संचालन के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की है, ताकि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। विशेष ध्यान खानपान सेवाओं पर भी दिया गया है और अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से गुणवत्ता वाला भोजन प्रदान किया जा रहा है। यात्रियों को प्लेटफार्मों पर बिना वजह एकत्रित न होने की चेतावनी देने के लिए और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से माइकिंग की व्यवस्था की गई है।

शहर में धड़ले से हो रहे हैं अवैध निर्माण

एजेंसी

नई दिल्ली । अवैध निर्माण में रोहिणी भवन विभाग 2 आगे। ध्यान देने वाली बात यह है कि वार्ड 48 गुरु हरकिशन नगर में आने वाली कालोनियां भैरव एनक्लेव, सुंदर नगर, मीरा बाग में अवैध निर्माण धड़ले से हो रहे हैं। इन अवैध निर्माण के बारे में सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है कि कनिष्ठ अभियंता तथा एई अपने सहयोगी बेलदारों के साथ मिलकर इन सभी अवैध निर्माण करने वालों का पूर्ण रूप से साथ दे रहे हैं। सारे नियम कानून को ताक पर रख सिर्फ काली कमाई कर, चांदी कूट रहे हैं। दूसरी तरफ रोहिणी जॉन के कुछ उच्च स्तरीय पदाधिकारी बेबस लग रहे हैं। अगर इसी प्रकार तेज रफ्तार से अवैध निर्माण होते रहे तो दिल्ली नर्क बन जाने में वक्त भी नहीं लगेगा। कुछ अवैध निर्माण जो गुरु हरिकृष्ण नगर, एम 271, एम 455, भैरो एनक्लेव इत्यादि में कार्य तीव्र गति से हो रहे हैं अगर अवैध निर्माणों को नहीं रोका गया तो दिल्ली नरक में तब्दील हो जाएगी। विशेष जानकारी अगले वीडियो में।

कांग्रेस ने नहीं लिया विधानसभा कार्यवाही में भाग, बाहर देते रहे धरना

एजेंसी

जयपुर। कांग्रेस विधायक ने गुरुवार भी विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस विधायक विधानसभा परिसर के बाहर सड़क पर धरने पर बैठे हैं। इनकी गैर मौजूदगी में ही विधानसभा में प्रश्न काल की कार्यवाही चली। विधानसभा के बाहर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जो गतिरोध सत्ता पक्ष बनाना चाहता है। वह बन रहा है। हमारी तरफ से पूरा प्रयास करने के बाद भी सत्ता पक्ष बातचीत को तैयार नहीं है। उन्होंने कल इस मामले पर सीएम से बात की थी। इससे एक दिन पहले वह संसदीय मंत्री से बात कर चुके हैं। आज तक सरकार की तरफ से गतिरोध तोड़ने को लेकर कोई प्रयास नहीं किए गए। सत्ता पक्ष घमंड में चूर है, वह नहीं चाहते थे कि विपक्ष विधानसभा में आकर अपनी बात रखे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा के मुद्दे बीजेपी की प्राथमिकता में नहीं है। इसलिए ये चर्चा करना नहीं चाहती है। मुझे पांच साल के लिए टर्मिनेट कर दो, लेकिन सदन चलने दो। उन्होंने कहा कि मैंने तो खेद भी प्रकट कर दिया। मीडिया की बातों को आधार बनाकर सदन चलाया जाएगा, अपमानित किया जाएगा तो ठीक नहीं है। उस टिप्पणी को हटाइए। मंत्री खेद प्रकट करें। अगर अध्यक्ष को तकलीफ है तो मैं खेद व्यक्त कर चुका हूं। अध्यक्ष ईगो रखने वाले व्यक्ति हैं।

महाकुम्भ के दौरान चलाई गई 17000 से अधिक ट्रेनें

रेल मंत्री ने प्रयागराज, महाकुम्भ में रेल कर्मयोगी के अथक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया और उनकी प्रशंसा की

- अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज का दौरा किया
- महाकुम्भ के दौरान अद्भुत कार्य के लिए रेल परिवार-सभी को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महाकुम्भ 2025 के लिए भारतीय रेल की व्यापक तैयारियों की स्व-समीक्षा करने के लिए सुबह प्रयागराज का दौरा किया। इस भव्य धार्मिक समागम के पैमाने और महत्व को पहचानते हुए, उन्होंने जमीनी परिचालन का आकलन करने के लिए उत्तर मध्य रेल (एनसीआर), उत्तर पूर्व रेल (एनईआर) एवं उत्तर रेल (एनआर) के तहत विभिन्न स्टेशनों का दौरा किया। अपने इस दौरे के दौरान, उन्होंने रेलवे कर्मियों के साथ बातचीत की, प्रमुख व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया; श्री वैष्णव ने विभिन्न विभागों के मध्य निर्बाध समन्वय की भी सराहना की और सभी तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित, कुशल व सुखद यात्रा की सुविधा के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस सम्पूर्ण आयोजन के दौरान रेल मंत्री ने प्रधानमंत्री को उनके निरंतर मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया और श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व संख्या को संभालने में सहयोग के लिए माननीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पड़ोसी राज्यों की सरकारों को भी उनके सतत सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। रेल मंत्री ने रेल कर्मयोगियों के उत्कृष्ट समर्पण की सराहना की अपनी यात्रा के दौरान, रेल मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और इस तरह के आयोजन के प्रबंधन में भूमिका निभाने वाले रेलवे कार्यबल के प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपनी सराहना व्यक्त की। यात्रियों की सहायता करने वाले फ्रंटलाइन कर्मयोगियों से लेकर सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस कर्मियों तक, निर्बाध ट्रेन संचालन को बनाए रखने वाले इंजीनियरों से लेकर सफाई कर्मचारियों तक एवं चिकित्सा सहायता प्रदान करने वाले डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से लेकर यात्रा को सुविधाजनक बनाने वाले हेल्प डेस्क अधिकारियों तथा बुकिंग कर्मचारियों तक - सभी के योगदान को सराहा। उन्होंने टीटीई, ड्राइवरों, सहायक ड्राइवरों, सिग्नल और दूरसंचार कर्मियों, टीआरडी और इलेक्ट्रिकल टीमों, एएसएम, नियंत्रण अधिकारियों, ट्रैकमैन और रेलवे प्रशासकों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिनके समन्वित प्रयासों से इस विशाल उपक्रम का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित हुआ। उन्होंने पहली से आखिरी पंक्ति तक हर कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने स्टेशनों पर जाकर पहली से आखिरी पंक्ति तक हर कर्मचारी से मिलकर धन्यवाद ज्ञापित किया व उत्साहवर्धन किया और सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने लाखों तीर्थयात्रियों के लिए महाकुम्भ 2025 का निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे अथक प्रयास किया। महाकुम्भ 2025 के लिए भारतीय रेल ने अपनी प्रारंभिक संचालन योजना से कहीं अधिक सेवाएँ प्रदान कीं। कुल 17,152 ट्रेनों का संचालन किया गया, जो कि नियोजित 13,000 ट्रेनों से अधिक था और पिछले कुंभ की तुलना में चार गुना वृद्धि दर्शाता है। इसमें 7,667 विशेष ट्रेनें और 9,485 नियमित ट्रेनें शामिल थीं, जिससे श्रद्धालु सुचारू और कुशल यात्रा कर सकें। महाकुम्भ में कुल 66 करोड़ श्रद्धालु सम्मिलित हुए, जिनमें से केवल प्रयागराज के नौ प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 4.24 करोड़ यात्रियों के लिए प्रबंधन किया गया।

चीन ने ताइवान के करीब भेजी सेना

- ताइपे ने जवाब देने समुद्री क्षेत्र में उतारी फौज

एजेंसी

ताईपे। चीन का अपने पड़ोसी देशों के साथ तनाव बना रहता है। अब चीन ने ताइवान के करीब सैन्य अभ्यास शुरू किया है जिसके बाद ताइपे ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने सेना को समुद्री क्षेत्र में तैनात कर दिया है। चीन के इस कदम से पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बीजिंग के इस कदम की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय संधि का उल्लंघन बताया है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने दक्षिणी ताइवान के काऊशुंग तट से करीब 74 किलोमीटर दूर लाइव-फायर ड्रिल के लिए एक क्षेत्र तय किया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन ने संयुक्त युद्ध अभ्यास के तहत ताइवान के चारों ओर 32 विमान तैनात किए हैं और द्वीप के दक्षिण से करीब 40 समुद्री मील दूर एक क्षेत्र में लाइव-फायर अभ्यास का ऐलान किया है। बयान में कहा गया कि ताइवान ने निगरानी, चेतावनी और जवाबी कार्रवाई के लिए नेवी, एयरफोर्स और आर्मी को तैनात किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बिना किसी पूर्व चेतावनी के हुई इस एक्सरसाइज में द्वीप के चारों ओर 32 विमानों की तैनाती भी शामिल थी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इनमें से 22 ने उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी ताइवान के करीब उड़ान भरी और चीनी युद्धपोतों के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग में शामिल हुए।

खास खबर

शुभमन बीमार और रोहित हुए चोटिल

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। उसे अब अपने अंतिम लीग मैच में 2 मार्च को न्यूजीलैंड से खेलना है। कीवी टीम भी सेमीफाइनल में आ गयी है। ऐसे में ये मैच केवल औपचारिकता है और इसके परिणाम से टूर्नामेंट पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस मैच से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के चोटिल होने और उपप्तान शुभमन गिल के बीमार होने की खबरें हैं। इसी कारण रोहित और शुभमन बुधवार को हुए अभ्यास सत्र में भी शमिल नहीं हुए थे। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सहित अन्य सभी खिलाड़ियों ने अभ्यास किया। शमी ने काफी गेंदबाजी की जिससे उनके लय हासिल करने की उम्मीद है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शमी शुरूआती तीन ओवरों के बाद मैदान से बाहर चले गये थे। रोहित और शुभमन को लेकर टीम प्रबंधन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। वहीं ऐसा माना जा रहा है कि रोहित अभी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, उन्हें ये चोट पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दूसरे लीग मैच के दौरान लगी थी। वह पाकिस्तान की पारी के दौरान कुछ समय के लिए ड्रेसिंग रूम में चले गए थे लेकिन फिर मैदान पर लौट आए। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित अभी अपनी चोट को लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि सेमीफाइनल तक पूरी तरह से फिट हो जायें। भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में रोहित को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे लीग मैच में आराम भी दिया जा सकता है।

तीन युवा खिलाड़ियों को मिला ब्लैक बेल्ट

वाराणसी। सारनाथ दानियालपुर स्थित विश्वकर्मा मार्शल आर्ट में प्रशिक्षण लेने वाले तीन युवा खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट मिला है। तीनों खिलाड़ियों साहिल मौर्या, सिद्धार्थ मौर्या व आशीष कुमार ने निरंतर अभ्यास और गुरुओं से प्रशिक्षण लेने के बाद ब्लैक बेल्ट की परीक्षा में भाग लिया। लगभग 5 घंटे तक चली परीक्षा में तीनों ने परीक्षा उतीर्ण कर ब्लैक बेल्ट खिताब अपने नाम कर लिया। गुरुवार को विश्वकर्मा मार्शल आर्ट परिसर में तीनों खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को संस्था के अध्यक्ष रमाशंकर विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गोविंद विश्वकर्मा ने बधाई देकर सम्मानित किया। तीनों खिलाड़ियों को वर्ल्ड इंटरनेशनल कॉम्बैट मार्शल आर्ट्स के संस्थापक वर्ल्ड ग्रैंड मास्टर जगदीश सिंह खत्री ने खिताब दिया। ब्लैक बेल्ट पाने वाले युवाओं को धीरज यादव ने प्रोत्साहन स्वरूप नॉन चाकू और माउथ गार्ड प्रदान किया। इस दौरान एकेडमी के सभी सीनियर और जूनियर खिलाड़ी, धर्मेंद्र यादव, पत्रकार विवेक विश्वकर्मा आदि भी मौजूद रहे।

जोस बटलर की कप्तानी पर संकट

लाहौर। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान जोस बटलर की नेतृत्व भूमिका पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद, जिससे इंग्लैंड टूनामेंट से बाहर हो गया, उनकी कप्तानी पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में इंग्लैंड के पास मौके थे, लेकिन वे उनका लाभ उठाने में असफल रहे। इससे पहले ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 351 रन बनाने के बावजूद रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने में असमर्थता ने भी उनकी स्थिति कमजोर कर दी थी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बटलर ने स्वीकार किया कि उन्हें अपनी कप्तानी और भविष्य को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे हैं। मुझे इस पर विचार करना होगा कि मैं समस्या का हिस्सा हूं या समाधान का। 2019 वनडे और 2022 टी20 विश्व कप जीतने के बाद इंग्लैंड का प्रदर्शन गिरावट पर है। 2023 वनडे विश्व कप में टीम सातवें स्थान पर रही, जबकि 2024 टी20 विश्व कप में भारत से सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। हाल ही में इंग्लैंड को भारत के खिलाफ टी20ई (4-1) और वनडे (3-0) सीरीज में हार मिली, जिससे टीम की फॉर्म को लेकर चिंता बढ़ गई।

सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेंगे ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान

एजेंसी

लाहौर। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम शुक्रवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा क्योंकि अफगानिस्तान टीम ने जिस प्रकार से इंग्लैंड को हराया है उससे पता चलता है कि अब वह दूसरे दर्जे की टीम नहीं रही। अफगान टीम ने पहले भी आईसीसी टूनामेंटों में कई बड़ी टीमों को हराया है। जिसको देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम उसे हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी। अफगानिस्तान का लक्ष्य भी इस मैच

में जीत का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा। उसने इंग्लैंड के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाकर मैच जीता है। उसने पिछले साल हुए टी20 विश्व कप में भी सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। ऐसे में ये मैच रोमांचक होना तय है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया का बल्लेबाजी क्रम भले ही बेहद मजबूत हो पर उसे अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की कमी खलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में इंग्लैंड को हराया था। दो बार की पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 15 साल के बाद चैंपियन्स ट्रॉफी का खिताब फिर से जीतना चाहेगी। टीम ने 2006 और 2009 में लगातार दो खिताब जीते पर साल 2013 और 2017 में वह फाइनल में नहीं पहुंची जिसके बाद इस प्रतियोगिता का आयोजन बंद कर दिया गया। शीर्ष तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया जानता है कि उसकी ताकत बल्लेबाजी में है। टीम के पास ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी हैं जो विरोधी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेरने में सक्षम हैं।

युवा खिलाड़ी सफलता के लिए मेहनत करते हुए निराशा से बचें : पीवी सिंधु

एजेंसी

मुंबई । महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों को सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत ओर अनुशासन पर ध्यान देना चाहिये। सिंधु ने कहा कि उन्हें निराशा को दूर रखते हुए उत्साही और जुनूनी बनना चाहिये। सिंधु ने कहा कि मेरे अंदर अभी भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधु ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों पर एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए। दो ओलंपिक पदक विजेता इस खिलाड़ी कहा है कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा जब आपकों सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए? पर मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून मेरे अंदर अब भी है इसी कारण मैं और बेहतर कर सकती हूं। सिंधु ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ दिन खराब बीते हों पर यह जरुरी है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापसी करें।

मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार तीसरी जीत दर्ज की। बुधवार को खेले गए मुकाबले में हेली मैथ्यूज (59 रन, 1 विकेट) और नैटली सिवर-ब्रंट (75 नाबाद, 3 विकेट) के ऑलराउंड खेल की बदौलत मुंबई ने यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से मात दी।यूपी वॉरियर्स ने ग्रेस हैरिस (45) और दिनेश वृंदा (33) की शानदार साझेदारी के दम पर 142 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 18 गेंद शेष रहते केवल 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरूआत कुछ खास नहीं रही। पहले ही ओवर में किरण नवगिरे (1) पवेलियन लौट गईं। हालांकि, ग्रेस हैरिस और दिनेश वृंदा ने 79 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी।एमेलिया कर ने 10वें ओवर में हैरिस (45) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। अगले ही ओवर में संस्कृति गुप्ता ने वृंदा (33) और स्टार बल्लेबाज तालिया मैक्ग्रा (शून्य) को आउट कर मुंबई को बड़ी सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान दीप्ति शर्मा (4) को हेली मैथ्यूज ने आउट किया। यूपी की रनगति पर ब्रेक लग चुका था। श्वेता सहरावत (13) और शिनेल हेनरी (7) भी जल्द ही सिवर-ब्रंट का शिकार बनीं। अंत में उमा छेत्री (13 नाबाद) ने कुछ रन जोड़ने की कोशिश की, लेकिन यूपी 9 विकेट पर 142 रन तक ही पहुंच सकी।मुंबई के लिए नैटली सिवर-ब्रंट सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 3 विकेट झटके। संस्कृति गुप्ता और शबनिम इस्माइल ने 2-2 विकेट लिए, जबकि हेली मैथ्यूज और एमेलिया कर को 1-1 सफलता मिली।

रूट ने एकदिवसीय में लगाया शतक

एजेंसी

लाहौर । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ हुए मैच में शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में अफगानिस्तान से मिले 326 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की ओर से रूट ने शानदार बल्लेबाजी की। रुट का एकदिवसीय में ये शतक छह साल के लंबे इंतजार के बाद आया है। रूट ने इससे पहले का अपना शतक जून 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाया था। इसके बाद अगले शतक के लिए उन्हें 40 पारियां खेलनी पड़ी। बीच के दौर में उन्होंने 10 अर्धशतक लगाये पर शतक नहीं लगा पाये। वह इंग्लैंड की ओर से एकदिवसीय में सबसे अधिक 17 शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं दूसरे नंबर पर पूर्व कप्तान इयान मोर्गन हैं। मोर्गन के नाम 13 शतक हैं। वहीं मार्कस ट्रेस्कोथिक के नाम 12 जबकि जॉनी बेयरस्टो के नाम 11 शतक हैं। रूट ने 300 के स्कोर का पीछा करते हुए अब तक पांच शतक लगाये हैं। उन्होंने अब तक आईसीसी टूनामेंटों में पांच शतक लगाये हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सक्रिय खिलाड़ियों में सर्वाधिक शतक के मामले में वह दूसरे नंबर पर हैं। उनके नाम 53 शतक हैं जबकि पहले स्थान पर चल रहे विराट कोहली के नाम 82 शतक हैं।

सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया एएफसी अंडर-20 एशियाई कप फाइनल में

एजेंसी

शेनझेन। सऊदी अरब ने बुधवार को पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के फाइनल में जगह बना ली। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में जापान को 2-0 से मात दी।सऊदी अरब और दक्षिण कोरिया के बीच मुकाबला निर्धारित 120 मिनट तक गोलरहित बराबरी पर रहा। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में सऊदी अरब के गोलकीपर हामेद यूसुफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पेनल्टी बचाईं और अपनी टीम की जीत के हीरो बने। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने जापान को 2-0 से हराया। मैच में मूसा टोरे ने 49वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि जयलन पियरमैन ने 67वें मिनट में दूसरा गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। अब फाइनल मुकाबले में सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने-सामने होंगी।

खेलो इंडिया वीमेन वुशु सिटी लीग रांची में

रांची। अस्मिता खेलो इंडिया वीमेन वुशु सिटी लीग का आयोजन 1 से 2 मार्च 2025 को ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। इस लीग में रांची के महिला वुशु खिलाडी भाग लेंगे। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, उनके विभिन्न छेत्रिय केंद्र और संबंधित राज्य सरकारों के सहयोग से ये आयोजन भारत के 25 सीटी में किया जा रहा है। अस्मिता सीटी लीग की यह प्रतियोगिता महिलाओ के लिए सभी वर्गो में आयोजित होगी। महिला सशक्तिकरण और महिलाओ के बीच वुशु खेल की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए सीटी लीग, जोनल प्रतियोगिता और नेशनल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। रांची में इसके पूर्व खेलो इंडिया सिटी लीग, जोनल और नेशनल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा चुका है।

लिवरपूल ने खिताब की ओर बढ़ाया एक और मजबूत कदम

एजेंसी

लंदन। लिवरपूल ने बुधवार रात न्यूकैसल यूनाइटेड को 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग खिताब की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। इस जीत के साथ लिवरपूल ने तालिका में 13 अंकों की बढ़त बना ली, क्योंकि आर्सेनल नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला। लिवरपूल के लिए डोमिनिक स्जोबोस्जलाई ने 11वें मिनट में एक विक्षेपित शॉट के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। न्यूकैसल, जो चोटिल अलेक्जेंडर इसाक के बिना खेल रही थी, आक्रमण में संघर्ष करता दिखा। 63वें मिनट में मोहम्मद सलाह के साथ पास का आदान-प्रदान करने के बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने दूसरा गोल कर लिवरपूल की जीत सुनिश्चित कर दी। नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0-0 के ड्रॉ से आर्सेनल को दो और अंक गंवाने पड़े। कोच मिकेल अर्टेटा को इस बात की चिंता होगी कि उनकी टीम लगातार दूसरे मैच में स्कोर करने में विफल रही। आर्सेनल ने 13 शॉट लिए, लेकिन केवल एक ही लक्ष्य पर था। फिट-एरलिंग हालैंड के एकमात्र गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने टोटेनहम को 1-0 से हराकर शीर्ष चार में वापसी की। मुकाबला कड़ा था, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए और गंवाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इप्सविच टाउन को 3-2 से हराया, लेकिन उनका प्रदर्शन अब भी सवालों के घेरे में है। यूनाइटेड के तीनों गोल सेट पीस से आए। इप्सविच के लिए जेडन फिलोजेन ने शुरूआत में बढ़त बनाई, लेकिन ब्रूनो फर्नांडीस की फ्री किक पर सैम मोर्सी के डिफ्लेक्टेड गोल ने स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मैथिज्स डी लिग्ट ने एक ढीली गेंद पर गोल कर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। पैट्रिक डोर्गू को रेड कार्ड मिलने से यूनाइटेड 10 खिलाड़ियों के साथ रह गया, और हाफटाइम से पहले फिलोजेन ने बराबरी कर दी। लेकिन दूसरे हाफ में हैरी मगुइरे के ट्रेडमार्क हेडर से यूनाइटेड ने 3-2 से जीत दर्ज की। ब्रेंटफोर्ड और एवर्टन का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा, जिसमें योएन विसा और जेक ओ'ब्रायन ने गोल किए। मंगलवार को खेले गए मैचों में सबसे प्रभावशाली परिणाम चेल्सी की साउथेम्प्टन पर 4-0 से जीत थी।

भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी पाक पर भारी पड़ेगी : गावस्कर

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि पाकिस्तान की टीम इस समय भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी हरा नहीं सकती है। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि भारत की बी टीम भी पाक टीम को संघर्ष पर मजबूर कर सकती है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पाक टीम का फार्म अभी काफी खराब चल रहा है। पाक टीम अपनी ही धरती पर हो रहे चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पायी है। उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया। साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भी पाक क्रिकेट लगातार नीचे आता रहा है। टीम पिछले दो एकदिवसीय विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि बेंच स्ट्रेंथ की कमी के कारण हो रहा है। पाक में हमेशा से ही प्राकृतिक प्रतिभा रही है। प्राकृतिक इस तरह कि भले ही वे तकनीकी रूप से सही नहीं थे पर उनके पास बल्ले और गेंद की सहज समझ थी। गावस्कर ने कहा, इंजमाम-उल-हक को देखें। अगर आप उनके रुख को देखें, तो आप किसी युवा बल्लेबाज को ऐसा करने की सलाह नहीं देंगे पर उनका स्वभाव बहुत अच्छा था। इस तरह के स्वभाव के साथ उन्होंने किसी भी तकनीकी कमी को पूरा किया। गावस्कर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) और घरेलू व्हाइट-बॉल टूनामेंट के बावजूद गुणवत्ता वाले खिलाड़ी तैयार करने के लिए असफल रहा है। उन्होंने कहा, भारत में व्हाइट-बॉल क्रिकेट में इतने सारे युवा सितारे आईपीएल की वजह से निकले हैं। वहां से खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी और अंततः भारत के लिए खेलने गए हैं। यह कुछ ऐसा है जिसका पाकिस्तान क्रिकेट को आंकलन करना चाहिए।

नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप में झारखंड के 55 खिलाड़ी लेंगे भाग

एजेंसी

रांची । 45वें नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप जो बेंगलुरु के कंट्री रवा स्टेडियम और सई कंपलेक्स स्टेडियम में 4 मार्च से 9 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है, जो झारखंड मास्टर एथलेटिक्स टीम इस प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे हैं, जिसमें महिला, पुरुष 55 खिलाड़ियों इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसमें कोच की भूमिका में रहेंगे जवाहर झा रांची और अशोक महतो बोकारो और टीम के मैनेजर के रूप में संजय राय, राजेंद्र महतो और के के ठाकुर को टीम मैनेजर बनाया गया है, टीम का कैप्टन श्री राजकुमार वाल्मीकि को बनाया गया है सभी खिलाड़ी 1 मार्च को हटिया से यशवंतपुर के लिए रवाना होंगे सभी खिलाड़ियों को सूचित किया जा रहा है आप लोग 4:00 स्त्रे बजे तक सभी खिलाड़ी हटिया रेलवे स्टेशन पर पहुंच जाएंगे यह जानकारी झारखंड मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन के सचिव श्री लक्ष्मण राम ने दिए अधिक जानकारी के लिए 878942 355 2 में संपर्क कर सकते हैं।

फखर जमान ने संन्यास की अफवाहों को किया खारिज

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चोट से उबरने के बाद जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे।

फखर जमान, जिन्होंने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शतक लगाकर पाकिस्तान को ऐतिहासिक खिताबी जीत दिलाई थी, न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में खेले गए पहले मैच में चोटिल हो गए थे। मैच के पहले ही ओवर में एक गेंद का पीछा करते हुए उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए, हालांकि बाद में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरे और 41 गेंदों में 24 रन बनाए। चोट के कारण वह अपनी लय में नहीं दिखे और पाकिस्तान को 60 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद ऐसी अटकलें लगने लगीं कि अप्रैल में 35 साल के होने जा रहे फखर का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि, उन्होंने खुद इन अफवाहों को नकारते हुए कहा कि वह अब भी पाकिस्तान के लिए खेलना चाहते हैं। पीसीबी डिजिटल से बात करते हुए फखर ने कहा, मैंने रिटायरमेंट की खबरों के बारे में सुना है। यहां तक कि मेरे दोस्तों ने भी इस पर मैसेज किया, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। एकदिवसीय प्रारूप मेरा पसंदीदा है, और मैं टी20, वनडे और यहां तक कि टेस्ट क्रिकेट भी खेलना चाहता हूं। जहां तक मेरी वापसी की बात है, डॉक्टर ने कहा है कि मैं एक महीने में फिर से क्रिकेट खेलना शुरू कर सकता हूं। हालांकि, टूनामेंट से पहले फखर जमान को पाकिस्तान के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। इसके अलावा, पिछले साल उन्होंने बाबर आजम को टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के फैसले की आलोचना करते हुए एक ट्वीट किया था, जिसके कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। बाद में, जब पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए रकनेक्शन कैंपर आयोजित किया, तो फखर ने एक वरिष्ठ अधिकारी की तीखी आलोचना की थी। फखर ने अपनी फिटनेस को लेकर कहा, रडॉक्टर ने मुझे तीन हफ्तों में ट्रेनिंग शुरू करने की सलाह दी है, इसलिए उम्मीद है कि मैं एक महीने के भीतर फिर से क्रिकेट खेलना शुरू कर दूंगा।

मैक्सिको में मैक्सको ओपन टेनिस में खेलते हुए अमेरिका के लियेनर टिन।

बच्चों, तुम कहानियां, कॉमिक्स या मैग्जीन्स तो पढ़ते ही होगे। अगर तुम्हें ऐसी किताबें पढ़ने के साथ-साथ साइंस में भी रुचि है तो विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन भी पढ़ो, तुम्हें खूब मजा आएगा। विज्ञान कथाएं तुम्हें रहस्य-रोमांच की एक अलग ही दुनिया में ले जाएंगी। आज साइंस-डे के मौके पर जानो, साइंस फिक्शन से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रहस्य-रोमांच से भरपूर साइंस फिक्शन

स्पेशल स्टोरी / शिखर चंद जैन

बच्चों, विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन पढ़ने का अपना अलग ही रोमांच है। कहने को तो ये काल्पनिक कथाएं होती हैं, लेकिन इनमें सिर्फ ऐसी कल्पनाएं नहीं होतीं, जो बिल्कुल ही निराधार हों, इनका साकार होना संभव न हो। दुनिया में इंसान के लिए बहुत से ऐसे उपयोगी आविष्कार हुए हैं, जो विज्ञान कथाओं से प्रेरित हैं। सक्षम और अनुभवी विज्ञानकथा लेखकों ने तकनीक, फैंटेसी और भविष्य की कल्पना का ताना-बाना बुनकर ऐसी बहुत सी रोचक विज्ञान कथाएं लिखी हैं, जो पूरी दुनिया के बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब पसंद आई हैं।

क्या है विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं अकसर भविष्य की कल्पना करके लिखी जाती हैं। जैसे आने वाले समय में मनुष्य कौन-सी नई तकनीक इस्तेमाल कर सकता है, यातायात, संचार, रहन-सहन और सुख-सुविधाओं के लिए कैसे उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है? ये कहानियां वास्तविक दुनिया से बहुत अलग होती हैं। लेकिन इन्हें असंभव या सिर्फ एक कल्पना कहकर हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। इन विज्ञान कथाओं में ग्रहों के तरह-तरह के जीवों, अंतरिक्ष में मनुष्य के सुगमता पूर्वक रहने की कल्पना की जाती है। अलग-अलग विज्ञान कथा लेखकों ने चिकित्सा की नवीनतम प्रणालियों, यातायात के अद्भुत साधन, नई संचार प्रणालियों की कल्पना बहुत पहले की है, जो आज साकार हैं।

कहां से आया 'साइंस फिक्शन' टर्म

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार सबसे पहले 'साइंस फिक्शन' या 'विज्ञान कथा' शब्द का प्रयोग 1851 में हुआ था। विलियम विल्सन ने इसे अपनी संकलित कविताओं की पुस्तक 'अ लिटिल अर्नेस्ट बुक अपॉन ए ग्रेट ओल्ड सब्जेक्ट' में इस्तेमाल किया था। आधुनिक समय में 'साइंस फिक्शन' शब्द को प्रचलित करने का श्रेय ह्यूगो जर्न्स बैक को जाता है। उन्होंने 1926 में विज्ञान कथाओं की पत्रिका 'अमेजिंग स्टोरीज' शुरू की थी। 1930-40 तक 'साइंस फिक्शन' शब्द बहुत लोकप्रिय हो चुका था।

तरह-तरह की विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन कई तरह के होते हैं। मोटे तौर पर लोग इन्हें दो शैलियों में विभाजित करते हैं- हार्ड और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं। हार्ड साइंस फिक्शन विज्ञान सम्मत सच्चे तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित होती हैं। इनमें फिजिकल साइंस, एस्ट्रोलॉजी और केमिस्ट्री का प्रयोग रहता है। इनमें बताया जाता है कि आने वाले दिनों में मनुष्य कई उन्नत तकनीकें विकसित कर लेगा। कई हार्ड साइंस फिक्शन लेखक तो पेशेवर वैज्ञानिक रहे हैं। उनकी कई कल्पनाओं ने बखूबी मूर्त रूप लिया और नए आविष्कारों का आधार बनीं। सॉफ्ट साइंस फिक्शन मनोविज्ञान, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, न्यूरो साइंस और सोशियोलॉजी से आइडिया लेती हैं। ये कहानियां ज्यादातर भावनाओं और कैरेक्टर्स पर आधारित होती हैं। सामाजिक और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं काफी हद तक काल्पनिक होती हैं। अलौकिक विज्ञान कथाओं में अद्भुत क्षमता संपन्न मनुष्यों की कल्पना और सुपरमैन जैसे पात्रों की कल्पना की जाती है। स्पेस ओपेरा में अंतरिक्ष पर दूसरे ग्रहों की दुनिया पर आधारित कहानी होती है। वहीं टाइम ट्रैवल में ऐसा कथानक बुना जाता है, जो किसी पात्र को अचानक बहुत समय बाद के कालखंड में मौजूद दिखाता है।

कई आविष्कारों की प्रेरणा हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं कई उपयोगी आविष्कारों की प्रेरणा बन चुकी हैं, ऐसा खुद आविष्कारकों और वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। जूल्स वर्न का विज्ञान उपन्यास 'रॉबर द कंकरर', जिसका दूसरा नाम है 'क्लिपर ऑफ द क्लाउड्स' में उड़ान भरने वाली मशीन अल्ट्राट्रॉस का विवरण है। इससे प्रेरित होकर अमेरिकी विशेषज्ञ आई गौर सिकोर्स्की ने हेलीकॉप्टर डिजाइन किया। रॉकेट की प्रेरणा अमेरिकी वैज्ञानिक रॉबर्ट गोडर्ड को ब्रिटिश विज्ञान कथा लेखन एचजी वेल्स की पुस्तक 'द वॉर ऑफ वर्ल्ड' से मिली। ह्यूमनॉयड रोबोट की प्रेरणा जापान के रोबोट विज्ञानी टोमोटाका ताकहाशी को 'एस्ट्रोबॉय' कॉमिक्स से मिली। WWW यानी वर्ल्ड वाइड वेब का आइडिया ऑथर सी क्लार्क की शॉर्ट स्टोरी 'डायल एफ फॉर फ्रैंकस्टीन' से मिला, ऐसा खुद इन वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। *

पहली विज्ञान कथा

दुनिया की पहली विज्ञान कथा 1616 में जर्मन लेखक जोहान वेलेंटीन एंड्रिए लिखित उपन्यास 'द केमिकल वेडिंग' को माना जाता है। इस उपन्यास की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जिसे एक पंख वाली महिला की रहस्यमयी शाही शादी में आमंत्रित किया जाता है। भारत में विज्ञान कथाओं की विधिवत शुरुआत 1896 से मानी जाती है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने 1896 में बांग्ला भाषा में 'आगोंन' और 'पलातक तूफान' के नाम से विज्ञान कथाएं लिखी थीं। कुछ लोग 1905 में रुकेया शेखावत हुसैन द्वारा लिखित 'सुल्तान का सपना' को पहली विज्ञान कथा मानते हैं, जो 'द इंडियन लेडीज' मैगजीन में छपी थी। हालांकि 1882 में विज्ञान दर्पण में हेमलाल दत्त की कहानी 'रहस्य', 1884 में पंडित अंबिका दत्त व्यास द्वारा लिखित 'आश्चर्य वृतांत', 1892 में जगदानंद राय द्वारा लिखित 'शुक्र भ्रमण' शुरुआती विज्ञान कथाएं मानी जाती हैं। विज्ञान कथा या साइंस फिक्शन शब्द का प्रयोग भले ही बाद में शुरू हुआ हो लेकिन विज्ञान कथाएं बहुत पहले से किसी ने किसी रूप में लिखी-पढ़ी जाती रही हैं।

स्पेस के नजारे दिखाते प्लेनेटोरियम

बच्चों, अगर तुम्हें खगोल विज्ञान मतलब कि सूर्य, चंद्रमा और तारों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी चाहिए तो तारामंडल में जाकर ले सकते हो। ये तारामंडल अपने देश में कहां-कहां है? यहां जाकर तुम कैसे खगोल विज्ञान से जुड़ी जानकारी रोचक, सरल ढंग से पा सकते हो, जानो।

जानकारी

प्लेनेटोरियम को हम हिंदी में ताराघर या तारामंडल भी कहते हैं। वास्तव में यह एक ऐसा भवन होता है, जहां लोगों को खगोल विज्ञान से जुड़ी ज्ञानवर्धक जानकारियां मनोरंजक ढंग से दी जाती हैं।

ऐसा बना होता है तारामंडलः आमतौर पर तारामंडल में गुंबद के आकार की छत होती है, इसके इर्द-गिर्द दर्शकों के बैठने के लिए स्टेडियम के तरह का हॉल होता है। इस विशेष हॉल में एक प्रोजेक्टर गुंबददार छत पर उभर रही छवियों पर रोशनी डालकर उन्हें चमकाता है। इन छवियों से संबंधित जरूरी जानकारियां वहां बैठे लोगों को कमेंट्री करके दी जाती है।

कोई निश्चित आकार नहीं होताः तारामंडल का कोई निश्चित आकार नहीं होता, लेकिन जिसे दुनिया का प्लेनेटोरियम नबंर वन कहा जाता है, वह तारामंडल रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में स्थित है। इसके गुंबद का आकार 37 मीटर है।

भारत में कितने हैं तारामंडलः भारत में 30 तारामंडल हैं। इनमें चार सबसे मशहूर हैं, जो क्रमशः मुंबई, नई दिल्ली, बैंग्लुरु और प्रयागराज में स्थित हैं। जहां तक देश के पहले एमपी बिड़ला ताराघर की बात है, यह सितंबर 1962 में कोलकाता में शुरू हुआ था।

देते हैं खगोलीय पिंडों की जानकारीः बच्चों, जब इन तारामंडलों में लोग अंधेरे में बैठकर गुंबद की ओर देखते हैं, तो ऐसा आभास होता है, जैसे हम किसी खुले स्थान में बैठे हुए आकाश की छटा देख रहे हों। यहां विभिन्न ग्रह-उपग्रह और तारे चलते हुए प्रतीत होते हैं। खगोलीय पिंडों के विषय में जानकारी प्रदान करने वाले ये बड़े ही उपयोगी तारामंडल हैं। इनके जरिए सूर्य, चंद्रमा और तारों की आकाश में होने वाली वार्षिक गतिविधियों को बहुत अच्छी तरह से चंद मिनटों में देखा और समझा जा सकता है।

ऐसे हैं आधुनिक तारामंडलः आधुनिक तारामंडलों (प्लेनेटोरियम) में स्लाइड दिखलाने वाले प्रोजेक्टर लगे रहते हैं। इनके द्वारा अंतरिक्ष यात्राओं और दूसरे ग्रहों पर उतरने के दृश्य भी दिखलाए जाते हैं।

बढ़ता जा रहा है महत्वः तारामंडलों का महत्व अंतरिक्ष संबंधी ज्ञान बढ़ने के साथ ही बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण, बादल, कुहरे आदि के कारण आकाश में किसी ग्रह या तारे का पता लगाना बहुत कठिन होता है, लेकिन इन्हें हम तारामंडल में सरलता से देख सकते हैं। उनकी स्थिति, विवरण और गति आदि की पूरी जानकारी भी हमें मिल जाती है। प्लेनेटोरियम की रचना बहुत ही जटिल होती है। इसमें बहुत से लेंस, प्रिज्म और दर्पण लगे होते हैं। अमेरिका के सैनफ्रांसिस्कों शहर में स्थित प्लेनेटोरियम में लगभग 25,000 छोटे-बड़े यंत्र हैं। इस प्रोजेक्टर का वजन लगभग 2.5 टन है। सबसे पहला प्लेनेटोरियम जीज ऑप्टिकल कंपनी, पूर्वी जर्मनी के वाल्टर ने 1923 में बनाया था। आज संसार के सभी देशों में बड़े-बड़े शहरों में प्लेनेटोरियम बने हुए हैं, जिनसे दर्शक अपने ज्ञान की वृद्धि करते हैं। *

तुम्हारे लिए नई किताब

समीर गांगुली

मशीनों का सत्याग्रह

बच्चों, पहले कुछ बड़े बच्चों यानी किशोर पाठकों के लिए हिंदी में स्तरीय विज्ञान कथाएं पढ़ने को कम मिलती थीं, लेकिन अब लिखी जा रही हैं। इन्हीं विज्ञान कथाओं में आया है नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित एक रोचक विज्ञान फैंटेसी उपन्यास 'मशीनों का सत्याग्रह'। इसके लेखक हैं सूर्यनाथ सिंह, जिन्हें इससे पहले 'कौतुक एप' नामक साइंस फिक्शन यानी विज्ञान कल्प कथा पर साहित्य अकादमी का बाल साहित्य पुरस्कार मिल चुका है। 'मशीनों का सत्याग्रह' में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटलीजेंस युक्त रोबोट्स द्वारा संचालित और नियंत्रित भविष्य की अतिविकसित दुनिया की रोमांचक कहानी है। सोचो जरा, अगर ये इंटेलीजेंट रोबोट्स एक दिन सामूहिक रूप से विद्रोह पर उतर आए तो दुनिया का क्या हाल होगा? उपन्यास की शुरुआत बाइसवीं सदी के पहले दिन नए वर्ष के उत्सव और उल्लास के माहौल से होती है। उस दौर के भविष्य की कल्पना बहुत ही रोचक अंदाज में करने के साथ ही उस समय के पर्यावरण की स्थिति को भी इसमें दिखाया गया है। सबसे अधिक रोमांच तो तब होता है, जब उत्सव के उस माहौल में अचानक खबर आती है कि रोबोट्स सत्याग्रह करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। फिर क्या होता है, जानने के लिए तुम्हें यह उपन्यास पढ़ना होगा। बच्चों, लेखक ने इस बात का ध्यान रखा है कि तुम तकनीकी शब्दावली और टेक्नोलॉजी की जटिलता में न उलझ कर एक रोमांचक कहानी का मजा लो। बच्चों, इसे तुम नेशनल बुक ट्रस्ट के पोर्टल या ऑनलाइन या फिर नेशनल बुक ट्रस्ट के किसी स्टोर से खरीद सकते हो। *

किताबः मशीनों का सत्याग्रह, **लेखकः** सूर्यनाथ सिंह, **मूल्यः**110 रुपए, **प्रकाशकः** नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

दीनदयाल
त्रिगुणासव
सभी आयु वर्ग के लिए सम्पूर्ण स्वास्थ्य टॉनिक
जम कर खाओ
आराम से पचाओ
दीनदयाल त्रिगुनासव द्राक्षासव, लोहासव, कुमारी आसव एवं अन्य गुणकारी औषधियों को डालकर बनाया जाता है। यह कमजोर पाचन शक्ति, शारीरिक क्षीणता, खून की कमी में लाभ प्रदान करता है।
DINDAYAL Aushadhi Since 1927
250 वर्ष के ज्ञान, अनुभव, शोध व अनुसंधान से निर्मित 600 से अधिक उत्कृष्ट आयुर्वेदिक उत्पाद

विज्ञान कथा

जाकिर अली 'रजनीश'

करम के दिमाग में एक दिन आया कि क्यों न वह एक ऐसा रोबोट बनाए, जो उसका होमवर्क कर दिया करे। बाजार से सारे कल-पुर्जे मंगवा कर करम ने एक रोबोट बना भी लिया, लेकिन जब उसने रोबोट से होमवर्क के सवाल करने को कहा तो उसने कोई रेस्पॉन्स नहीं दिया। रोबोट ने करम का होमवर्क क्यों नहीं किया?

इससे तो अच्छा...

अखबार में रोबोट का विज्ञापन देखकर करम के दिमाग में एक विचार कौंधा, 'क्यों न एक ऐसा रोबोट बनाया जाए, जो मेरा होमवर्क कर दिया करे।'

यह सोचकर करम रोमांचित हो उठा। अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने के लिए उसने कंप्यूटर की मदद ली। उसने इस विषय की किताबें खोज-खोज कर पढ़ीं। कई किताबों को पढ़ने के बाद करम को विश्वास हो गया कि वह भी रोबोट बना सकता है। मन में यह विश्वास आते ही वह अम्मी के पास पहुंचा। वह उस समय बेड पर बैठीं टीवी देख रही थीं। करम उनसे बहुत प्यार से बोला, 'अम्मीजान, मैं एक रोबोट बनाना चाहता हूं।'

'अरे वाह, यह तो बहुत अच्छी बात है!' अम्मी ने रोमांचित होकर पूछा, 'लेकिन बेटा, क्या तुम रोबोट बना पाओगे?'

'हां अम्मी, बस कुछ रुपयों की जरूरत पड़ेगी।' करम ने पूरे विश्वास के साथ जवाब दिया। 'ठीक है, लेकिन इससे तुम्हारी पढ़ाई नहीं डिस्टर्ब होनी चाहिए।' अम्मी ने आगाह किया।

'जी अम्मी, आप मुझ पर यकीन करें। मैं अपनी स्टडी बिल्कुल भी डिस्टर्ब नहीं होने दूंगा।' करम ने वादा किया। अम्मी को मालूम था कि करम धुन का पक्का है। वह जो ठान लेता है, करके ही मानता है। इसलिए उन्होंने उसे जरूरत के मुताबिक रुपए दे दिए। करम ने अम्मी का शुक्रिया अदा किया और अपने काम में लग गया।

सबसे पहले करम ने गूगल से रोबोट के कल-पुर्जे बनाने वाली दुकान का पता खोजा, फिर अपनी जरूरत का सामान ऑर्डर कर दिया। रोबोट के कल-पुर्जे वाली दुकान करम के शहर में थी। शाम तक करम का सारा सामान घर पर आ गया। करम ने अपने स्टडी रूम को प्रयोगशाला में बदल दिया और रोबोट बनाने में जुट गया। इस काम में उसे काफी मेहनत करनी पड़ी। जहां कहीं पर वह अटकता, गूगल की मदद ले लेता। इस तरह उसकी समस्या हल हो जाती। वह फिर से अपने काम में जुट जाता।

अंततः करम की मेहनत रंग लाई। उसका रोबोट तैयार हो गया। अपनी इस सफलता पर करम फूला नहीं समाया। उसने रोबोट का नाम रखा-रेंचो ।

करम का रोबोट देखकर अम्मी-अब्बा गदगद हो उठे। उन्होंने दिल खोल कर करम की तारीफ की। करम ने अपने दोस्तों को घर बुला कर अपना रोबोट दिखाया। उसके सारे दोस्त भौंचक्के रह गए। सुमित बोला, 'क्या यह सचमुच में होमवर्क के सवाल हल कर पाएगा?'

'क्यों नहीं!' करम मुस्कुराया। उसने रोबोट को आदेश दिया, 'रेंचो, मुझे होमवर्क में जो सवाल हल करने को मिले हैं, उन्हें करके दो।'

रोबोट शांत खड़ा रहा। जैसे उसने करम की बात सुनी ही न हो। यह देखकर करम के दोस्त मुस्कुराने लगे। करम ने रोबोट को दुबारा आदेश दिया, 'रेंचो, तुमने सुना नहीं? मेरा होमवर्क करो।'

लेकिन रोबोट इस बार भी कुछ नहीं बोला। उसके पेट पर लगी स्क्रीन पर कोई संदेश उभर रहा था, लेकिन करम ने उस पर ध्यान नहीं दिया। उसने गुस्से में रोबोट के गाल पर एक झापड़ रसीद कर दिया।

रोबोट लोहे का बना हुआ था। इसलिए करम का हाथ झन्ना गया। वह हाथ पकड़कर बैठ गया और रोबोट को बुरा-भला कहने लगा। तभी करम के अब्बा वहां आ गए। वह बोले, 'यह क्या कर रहे हो बेटा? तुम अपना गुस्सा रोबोट पर क्यों उतार रहे हो?'

'अब्बा, यह मेरा कहना नहीं मानता।' करम गुस्से में बोला।

अब्बा बोले, 'इसमें इसकी क्या गलती?'

'गलती क्यों नहीं है अब्बा?' करम ने सवाल किया,'मैंने आखिर इसे होमवर्क करने के लिए ही तो बनाया है?'

'हां, पर तुमने सिर्फ एक लोहे का ढांचा बनाया है। अगर तुम चाहते हो कि यह सवाल भी हल करे, तो तुम्हें इसके मस्तिष्क में प्रोग्राम करके गणित के सूत्र भी डालने होंगे और यह एक मुश्किल काम है।' अब्बा ने करम को समझाया।

'यह तो मुश्किल काम है।' करम ने बुझे मन से पूछा, 'इसमें कितना समय लगेगा?'

'इसमें दो-तीन साल भी लग सकते हैं। इसके लिए तुम्हें प्रोग्रामिंग सीखनी होगी, सवालों के सूत्रों को कोड में बदलना होगा, फिर उन्हें रोबोट के मस्तिष्क में...।' अब्बा ने बताया।

करम अब्बा की बात बीच में ही काटते हुए बोला, 'इससे तो अच्छा है कि मैं अपने सवाल खुद ही हल कर लूं।'

तभी करम की आंख खुल गई। यह क्या? क्या वह सपना देख रहा था? हां, वह तो मेज पर सिर रख कर सो गया था। शायद अम्मी के पैरों की आहट सुनकर उसकी नींद टूटी थी।

उसी समय अम्मी वहां आ गईं, बोलीं, 'क्या सोच रहे हो बेटा?'

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

मानव शरीर

भैया यह मानव शरीर है
चलती-फिरती मशीन।
भांति-भांति के लगे हैं पुर्जे
काम हैं जिनके बड़े महीन।
जैसे भवन बना करते
ढेरों ईंटों के मेल से।
वैसे बना शरीर हमारा
छोटे-छोटे सेल से।
पेट हमारी भट्ठी जिसमें
खाद्य पदार्थ जला करते।
अम्ल, क्षार और रस में घुलकर
हर कोशिका को मिला करते।
जैसे कि पंपिंग मशीन
हर घर में जल पहुंचाता है।
वैसे ही सारे अंगों में
हृदय रक्त दौड़ाता है।
शोधक यंत्र हमारे गुर्दे
नियमित काम किया करते।
अच्छी चीजें रख लेते और
गंदा फेंक दिया करते।
खोजी यंत्र हमारी आंखें
देतीं दिमाग को हर संदेश।
कंप्यूटर दिमाग निर्णय लेता
देता है अंगों को आदेश।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां लैब में एक्सपेरिमेंट कर रहे साइंटिस्ट के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में 7 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

उत्तर: 1.पीछे बाईं तरफ रखा बीकर गायब है। 2.अल्कोहल बर्नर नहीं जल रहा है। 3.एर्लेनमेयर फ्लास्क के ऊपर बबल्स निकल रहे हैं। 4.आगे बाईं तरफ रखा जार गायब है। 5.आगे, दाहिनी तरफ टेस्ट-ट्यूब रैक पर एक के बजाय दो टेस्ट-ट्यूब्स रखी हैं। 6.दाहिनी तरफ रखे जार का ढक्कन खुला हुआ है। 7.साइंटिस्ट के चश्मे का फ्रेम डिफरेंट कलर का है।

ढूंढो तो जरा...

बच्चों, दिए गए चित्र में नीचे सोलर सिस्टम और स्पेस रिसर्च से रिलेटेड जुड़े कुछ टर्म्स दिए गए हैं। तुम ऊपर बॉक्सेज में से उन टर्म्स को ढूंढकर बताओ।

O	Y	J	U	A	X	I	K	H	N	S
I	S	H	U	T	T	L	E	C	A	P
W	R	N	G	R	X	B	A	Q	S	A
G	R	A	V	I	T	Y	S	H	A	C
A	T	M	O	S	P	H	E	R	E	E
Y	P	L	A	N	E	T	F	V	D	M
T	C	E	X	P	L	O	R	E	S	E
T	L	A	U	N	C	H	X	N	O	T
J	P	Y	M	C	A	P	S	U	L	E
N	C	Q	X	R	D	P	O	S	A	O
H	F	N	Y	Y	L	G	J	H	R	R

LAUNCH, VENUS, SHUTTLE, PLANET
CAPSULE, ATMOSPHERE, EXPLORE, NASA
GRAVITY, METEOR, SOLAR, SPACE

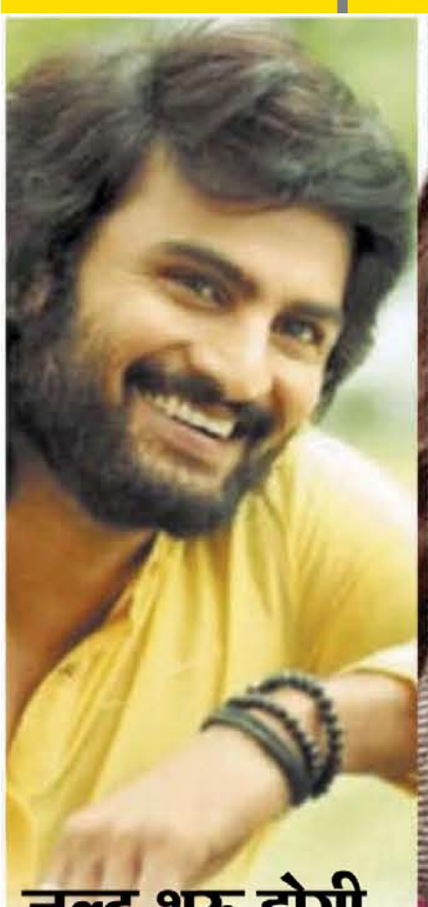

जल्द शुरू होगी सुधीर बाबू की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म जटाधरा की शूटिंग

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्मजटाधरा की शूटिंग पर जानकारी सामने आई है। यह मूल रूप से तेलुगु फिल्म है, जिसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। इसमें सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने जा रही है। जी स्टूडियोज ने पोस्ट साझा कर बताया है कि शूटिंग अगले महीने यानी फरवरी से शुरू होगी।

प्राचीन रहस्यों से उठेगा परदा

फिल्मजटाधरा की शूटिंग के लिए सेट हैदराबाद में सजेगा। आज इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में यह जानकारी है। दरअसल, मेकर्स ने फिल्म के तीन पोस्टर शेयर किए हैं। यह हिंदी, अंग्रेजी और तेलुगु भाषाओं में हैं। इसके साथ लिखा है,इंतजार खत्म हुआ! एक खजाना खोजना है, एक अभिशाप से लड़ना है। इस सुपरनैचुरल थ्रिलर में मिथक और रहस्य मिलते हैं। फिल्म में सुधीर बाबू नजर आएंगे। शूटिंग फरवरी से शुरू होगी।

रवीना टंडन के नजर आने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अभिनेत्री रवीना टंडन भी नजर आएंगी। रवीना टंडन की दक्षिण भारतीय फिल्मों की बात करें तो उन्हें यश स्टारर केजीएफ- चैप्टर 2 में भी देखा गया था, जिसमें वो नेता के रोल में नजर आई थीं। कहा जा रहा है किजटाधरा में रवीना टंडन नेगेटिव भूमिका में नजर आएंगी।

शिविन नारंग करेंगे निर्देशन

फिल्मजटाधरा का पोस्टर बीते वर्ष अगस्त में जारी किया गया था। अब फिल्म की शूटिंग पर अपडेट आ गया है। इस फिल्म का निर्देशन शिविन नारंग कर रहे हैं। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इसका निर्माण प्रेरणा अरोड़ा कर रही हैं, जो इससे पहले परी, रूस्तम, पैडमैन और टॉयलेट- एक प्रेम कथा को भी बना चुकी हैं।

प्लास्टिक सर्जरी को गलत नहीं मानती हैं खुशी कपूर

लवयापा में नजर आने वाली अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने चेहरे की सर्जरी को लेकर हो रही बातों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें इस बारे में बात करने से डर लगता था लेकिन अब वे कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में ज्यादा खुलकर बात करती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

लोगों से नफरत मिलने का था डर

कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में खुशी कपूर ने कहा कि लोगों से नफरत मिलने के डर से पहले में इस बात को मानने में डरती थी। हालांकि, खुशी को अब लगता है कि सर्जरी करवाना कोई अपराध नहीं है और अगर कोई व्यक्ति ऐसा कुछ करता भी है तो ये कोई गलत बात है।

नाक और होठ की करवाई सर्जरी

खुशी ने कहा कि लोगों को लगता है कि मैंने ऐसा किया। हां, लेकिन ये पूरी तरह से खूबसूरत लगता है। उन्होंने माना कि उन्होंने अपनी फिल्मी शुरुआत से पहले नाक की सर्जरी और होंठों में फिलर करवाया था। खुशी जल्द ही जुनैद खान के साथ फिल्म लवयापा में नजर आने वाली हैं।

दिल्ली के लड़के का निभाया है किरदार

फिल्म में उन्होंने एक स्थानीय दिल्ली के लड़के का किरदार निभाना था। इसके लिए उन्होंने दिल्ली की गलियों में समय बिताया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनके हाव-भाव और बोलचाल की भाषा को आत्मसात किया। जुनैद ने न केवल दिल्ली की बोली को समझा, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर उनके रहने के तरीके को भी महसूस किया।

फरवरी में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 7 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज से पहले एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। कई समाचार पोर्टल में छपी खबरों की मानें तो इस फिल्म के लिए जुनैद ने काफी ज्यादा मेहनत की है। खुशी के फैंस भी उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

डेटिंग की खबरों पर रश्मिका ने लगाई मुहर

रश्मिका मंदाना अगली बार लक्ष्मण उतेकर की पीरियड ड्रामा फिल्म छावा में नजर आएंगी। वह फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं, इस दौरान उन्होंने हाल ही में में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बड़ी जानकारी दी। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रिलेशनशिप में होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि वह प्यार में हैं। हालांकि, उन्होंने अपने पार्टनर का नाम बताने से परहेज किया, वहीं अब उनके डेटिंग पार्टनर पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। रश्मिका के बारे में खबरें है कि वह अपने डियर कॉमरेड को-स्टार विजय देवरकोंडा के साथ रिलेशनशिप में हैं। अभिनेत्री ने अपने हैप्पी प्लेस के बारे में बात की, वहां उन्होंने बताया कि वह एक पार्टनर हैं।

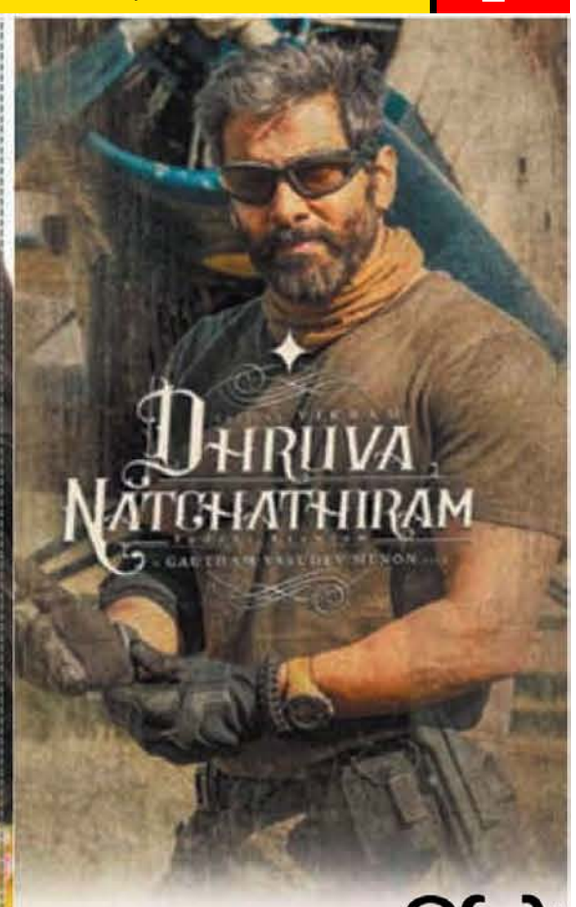

इस साल गर्मियों में रिलीज होगी विक्रम की ध्रुव नचतिरम

साउथ अभिनेता चियान विक्रम इन दिनों अपनी आगामी फिल्मध्रुव नचतिरम को लेकर फिर से सुर्खियों में है। वहीं फिल्म के निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन ने एक रोमांच जानकारी से प्रशंसकों को खुश कर दिया है। विक्रम साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक मणिरणत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन में ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ अहम भूमिका से सभी का दिल जीत चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में मेनन ने घोषणा की कि ध्रुव नचतिरम गर्मियों में रिलीज के लिए तैयार है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ध्रुव नचतिरम 24 मार्च 2025 को रिलीज हो सकती है।

फिल्म ध्रुव नचतिरम की स्टार कास्ट

फिल्म ध्रुव नचतिरम में रितु वर्मा को विक्रम की प्रेमिका के रूप में दिखाया गया है। ध्रुव नचतिरम एक लंबे समय से प्रतीक्षित तमिल फिल्म है, जिसकी रिलीज का प्रशंसक इंतजार कर रहे हैं। गौतम वासुदेव मेनन द्वारा लिखित और निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में विक्रम और रितु वर्मा के अलावा ऐश्वर्या राजेश, राधिका सरथकुमार, अर्जुन दास, सिमरन, डीडी, आर. पार्थिबन और कई कलाकार नजर आएंगे। वहीं ध्रुव नचतिरम का हैरिस जयराज नेध्रुव नचतिरम का संगीत तैयार किया है। ध्रुव नचतिरम ओन्ड्रागा एंटरटेनमेंट, कोंडाडुवोम एंटरटेनमेंट और एस्केप आर्टिस्ट मोशन पिक्चर्स का संयुक्त प्रोडक्शन है।

फिल्म की कहानी

ध्रुव नचतिरम एक जासूसी एक्शन थ्रिलर है, जिसमें कहानी जॉन (विक्रम) के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी, जो न्यूयॉर्क में स्थित एक अंडरकवर एजेंट है। वह और उसकी टीम एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल हैं, जिसका नेतृत्व मिस्टर के नाम के एक आदमी कर रहा है। जॉन और उनकी टीम तब हरकत में आती है जब बुरे लोग मिस्टर के को पकड़ लेते हैं, और उन्हें अंधेरे में छोड़ देते हैं। हमले के पीछे संगठन का मकसद क्या है?

यह रोमांस को लेकर क्या बोल गईं पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े ने कुछ ही देर पहले अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, बस थोड़ा सा रोमांस ही काफी है। पूजा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। देवा में पूजा के साथ शाहिद कपूर नजर आएंगे। देवा के अलावा पूजा दलपति विजय की 69वीं फिल्म जन नायकन में नजर आएंगी। पूजा के इंस्टाग्राम पर 27.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

मनोज बाजपेयी की फैमिली मैन 3 में नजर आ सकते हैं जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत की पाताल लोक के दूसरे सीजन की धमाकेदार वापसी के बाद दर्शक मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन के नए सीजन की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि दोनों अभिनेता इस सीरीज में साथ काम करते नजर आ सकते हैं।

जयदीप के किरदार को लेकर हुई बात फिल्म फेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक जयदीप फैमिली मैन 3 में मनोज बाजपेयी के दुश्मन की भूमिका निभा सकते हैं। शो से जुड़े एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया, द फैमिली मैन सीजन 3 में जयदीप की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। खबरों की मानें तो उनका किरदार मनोज बाजपेयी के श्रीकांत के खिलाफ होगा और दर्शकों को स्क्रीन के इन दो दिग्गजों को एक-दूसरे से दुश्मनी निभाते नजर आ सकते हैं। पाताल लोक 2 को मिल रही तारीफ जयदीप अहलावत को उनकी सीरीज पाताल लोक 3 को लिए चार साल के इंतजार के बाद जयदीप अहलावत पाताल लोक सीजन 2 में हाथी राम चौधरी के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में जयदीप अहलावत के एक दिलचस्प पोस्टर के साथ नए सीजन की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राज और डीके द फैमिली मैन सीजन 4 को साइन करेंगे। एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि तीसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, वहीं चौथे सीजन के साथ सीरीज को साइन करने के बारे में चर्चा हुई है।

'कृष 4' में देरी पर राकेश रोशन, नहीं चाहता लोग मुझे फ्लॉप निर्देशक के तौर पर याद रखें

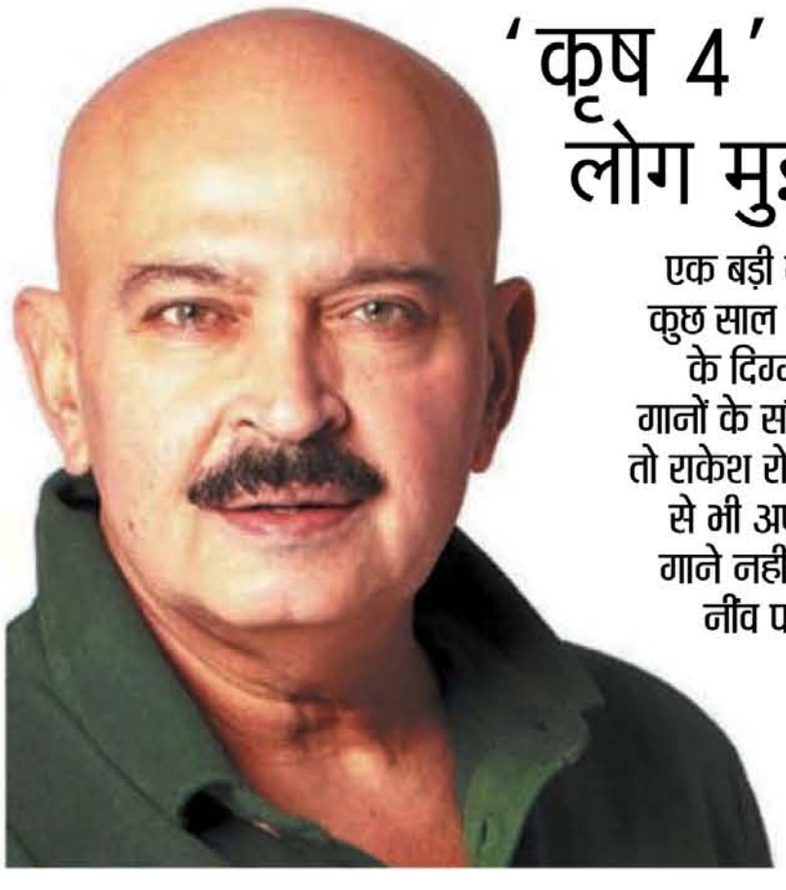

एक बड़ी म्यूजिक कंपनी ने कुछ साल पहले हिंदी सिनेमा के दिग्गज संगीतकारों के गानों के संग्रह प्रकाशित किए तो राकेश रोशन को उसमें ढूंढे से भी अपने पिता रोशन के गाने नहीं मिले। बस वहीं से नींव पड़ी नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द रोशन्स' की।

हिंदी सिनेमा को अपने संगीत, अपने निर्देशन और अपने अभिनय से रौशन करने वाले रोशन परिवार के दीये आज तक सबसे तेज जगमगा रहे हैं। आपको इस शब्द की या इस नाम की अहमियत पहली बार कब समझ आई?

मेरा असली नाम राकेश नागरथ है। मेरी पढ़ाई इसी नाम से हुई। तमाम सरकारी कागजात पर अब भी मेरा यही नाम है। ये उन दिनों की बात है जब मै फिल्मों में सहायक निर्देशक का काम तलाश रहा था। नाज सिनेमा बिल्डिंग में सारे निर्माताओं के दफ्तर हुआ करते थे और मैं वहां काम मांगने जाता तो दफ्तर के कर्मचारियों से कहता कि साहब को बोलो, रोशन साब के बेटे आए हैं मिलने। लोग मुझे बुलाते। कुर्सी से खड़े होकर हाथ मिलाते। बड़ा सम्मान देते। इस नाम की मैंने इतनी महत्ता देखी तो इसे अपने नाम के साथ जोड़ लिया।

ये बीते छह दशक जो बिना पिता के आपके बीते हैं, उनका संघर्ष कितनी बड़ी चुनौती रही आपके लिए?

संघर्ष तो अब भी है। बीते 70 साल से चला आ रहा है। आगे भी चलता ही रहेगा। जीवन में संघर्ष निरंतर है। अभी बात होती है क्या बनाऊं? 'कृष 4' की बात होती है तो उसको भी बनाने पर बात होती है कि लोगों को पसंद आएगी कि नहीं, आएगी। तो चुनौती तो है, वही जीवन है। 18 फिल्में बना चुके निर्माता राकेश रोशन के लिए क्या चुनौती हो सकती है? क्या ये चुनौती निर्देशक राकेश रोशन की फिल्म के 1000-1500 करोड़ रुपये कमाने की है?

हमें पैसे कमाने के लिए फिल्म नहीं बनाना है। ऐसा हम कभी नहीं करेंगे। हमारा डर ये है कि लोग हमें कैसे याद करेंगे? हमने 15-16 फिल्में बनाई हैं। एक निर्देशक को लोग उसकी आखिरी फिल्म से याद करते हैं। मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे एक फ्लॉप फिल्म के निर्देशक के रूप मे याद करें। आपके पिता रोशन की संगीतबद्ध फिल्म 'सूरत और सीरत' के गाने 'बहुत दिया देने वाले ने तुझको' के पहले जो बांसुरी बजती है, वही आपकी फिल्म 'करण अर्जुन' के गाने 'ये बंधन तो प्यार का बंधन है' की धुन बनी है।

आपको संगीत से कितना लगाव है? कभी आपने भी कोई गाना लिखा या कंपोज किया?

'सूरत और सीरत' के गाने की जहां तक बात है, ये राजेश को पता होगा। मुझे नहीं लगता कि हमने 'सूरत और सीरत' फिल्म के किसी गाने से कोई धुन ली होगी। संगीत की बात करें तो हां, मैं गिटार बजाता हूं। पियानो बजाता हूं। फिल्मों का संगीत तो हम सब मिलकर ही तैयार करते हैं। लेकिन, अगर किसी एक गाने की ही बात करूं तो 'प्यार की कश्ती में' की धुन मेरी बनाई हुई है। ये गाना भी मेरा लिखा हुआ है।

संगीतकार रोशन के गानों में अध्यात्म का बहुत गहरा असर दिखता है। इसके बारे में क्या कहेंगे?

हमने हमेशा पारिवारिक फिल्में बनाई। ऐसी फिल्में जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके। मैंने कभी कोई ओछी पिक्चर नहीं बनाई। हमारे गानों में एक बात होती है और हम इस पर शुरू से कायम रहे। अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए। राजेश ने भी अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए।

और, इस वेब सीरीज 'द रोशन्स' को बनाने का मकसद क्या रहा?

ये सीरीज हमने अपनी तारीफ के लिए कतई नहीं बनाई है। हमने इस सीरीज में ये बताने की कोशिश की है, हमने तब से लेकर आज तक किस तरह के संघर्ष सिनेमा में देखे हैं। अगर सबसे तारीफ ही करानी होती तो फिर इस सीरीज को बनाने का कोई मतलब ही नहीं था।

मुख्यमंत्री योगी से करवाएंगे फिल्म सिटी का शिलान्यास

फिल्म सिटी का निर्माण करने वाली कंपनी ने जमीन का लिया कब्जा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के शुरू होने के साथ, उत्तर प्रदेश सरकार का दूसरा ड्रीम प्रोजेक्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी का निर्माण कार्य भी शुरु हो जायेगा। निर्माणकर्ता कंपनी के लिए बोनी कपूर और सीईओ आशीष भूटानी ने यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ डा. अरूण वीर सिंह से जमीन का कब्जा पत्र प्राप्त किया, इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए बोनी कपूर ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से शिलान्यास के लिए अनुरोध किया है, वो जो समय देगें हमारी तैयारी पूरी है, तभी शिलान्यास किया जायेगा। यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ से जमीन का कब्जा पत्र प्राप्त करने के साथ अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हो गयी है। फिल्म सिटी का पूरा डिजाइन कनाडियन कंपनी फोरेक ने बनाया है। यह वही कंपनी है, जिसने यूनिवर्सल स्टूडियो और डिजनीलैंड को डिजाइन किया है।

यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण के सेक्टर-21 में एक हजार एकड़ में अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी प्रस्तावित है। पहला चरण 230 एकड़ और दूसरा चरण 670 एकड़ में बनना है। फिल्म सिटी के दूसरे चरण में 250 एकड़ में ऊं बनाया जाएगा। यह ऊं का प्रतीक इतना बड़ा होगा कि इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा।

फिल्म सिटी का निर्माण पर बोनी कपूर ने कहा कि इसका निर्माण वर्ल्ड क्लास रहेगा, जिसमें सिर्फ हिंदुस्तान के नहीं बाहर के भी फिल्म मेकर्स जाकर फिल्म बना सके. फिल्म सिटी की खासियत बताते हुए बोनी कपूर कहते हैं कि यहां स्टूडियो के अलावा यहां पर इंस्टिट्यूट बनाया जाएगा, जिसमें स्थानीय लोगों को ट्रेंड किया जाएगा और उन्हें फिल्म निर्माण के सभी पहलुओं की जानकारी दी जाएगी। फिल्म सिटी का निर्माण 3 सालों के अंदर फिल्म सिटी का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

भारत की ओर देख रही है पूरी दुनिया: शेखावत

नोएडा (चेतना मंच)। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'विज्ञान, आत्मा और स्वास्थ्य : आपसी संबंधों की खोज' का आयोजन शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज में किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार के संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और वरिष्ठ RSS कार्यकारी सदस्य इंद्रेश कुमार ने किया। उद्घाटन सत्र में भारतीय ज्ञान प्रणालियों के प्रमुख विद्वान प्रो. (डॉ.) जगबीर सिंह ने मुख्य भाषण दिया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री शेखावत ने भारतीय शास्त्रों में समग्र और वैज्ञानिक ज्ञान की मौजूदगी की सराहना की। उन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व और भारतीय संस्कृति के शाश्वत ज्ञान पर प्रकाश डाला, जिसके कारण पूरी दुनिया भारत की ओर आशा से देख रही है। इंद्रेश कुमार ने भारतीय संस्कृति में विज्ञान और आध्यात्मिकता के आपसी संबंध पर जोर दिया। उन्होंने नैतिकता को भारतीय ज्ञान का अभिन्न हिस्सा बताया और यह भी कहा कि भारतीय सरकार ने COVID-19 महामारी के दौरान स्वदेशी वैक्सीन विकसित की और उसे विश्वभर में न्यूनतम लागत पर वितरित किया।

प्रो. जगबीर सिंह ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता को गहरे दार्शनिक दृष्टिकोण से जोड़ा और प्रामाणिक ग्रंथों जैसे पतंजलि के योग सूत्रों का अध्ययन करने की प्रेरणा दी।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचारक इंद्रेश कुमार का ग्रेटर नोएडा आगमन पर शारदा विश्वविद्यालय में गुलदस्ता और श्रीराम की मूर्ति देकर बीजेपी नेता व पूर्व प्रत्याशी जेवर विधानसभा नरेंद्र भाटी डाढा के नेतृत्व में स्वागत किया गया।

इस मौके पर राहुल पंडित जी कपूर जितेन्द्र नागर जिला अध्यक्ष जय भारत मंच ,योगेन्द्र विकल जी जयकरण दादूपुर राजू चपराना गौरव किरणपाल भाटी रण विजय सिंह कृष्णपाल विनोद कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

Rwa सेक्टर 11 ने नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों के साथ की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्ल्यूए से0 11 ने नोएडा अथॉरिटी के सभी विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक के तहत सेक्टर के विभिन्न कार्यों को लेकर चर्चा की गई।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले वर्षों से पानी की नई पाइपलाइन न डल पाने के कारण तमाम तरीके की परेशानी उठानी पड़ती थी। लेकिन प्राधिकरण ने नई पाइपलाइन सेक्टर में डालने का कार्य किया है। इसके अलावा सेक्टर में सभी पार्कों के समरसेबल सही कराए जाने पार्कों की फेंसिंग, पार्कों के साफ-सफाई, पेड़ों की छंटाई जैसी समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा नोएडा से दिल्ली प्रवेश करते समय सीधे हाथ पर पड़े खाली मैदान की बाउंड्री बाल कर दी गई है।

आरडब्लुए के प्रयास से सेक्टर 11 रुब्लॉक मार्केट एवं ॥ ब्लॉक मार्केट के टॉयलेट की साफ सफाई के लिए भी प्रबंध कराने के लिए कहा गया है।

वेयर हाउस गोदाम का डीएम ने किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस गोदाम में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, पुलिस के अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से अवलोकन किया गया, सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित पुलिस अधिकारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए एवं सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

जिन स्कूलों में बच्चे कम उनसे जवाब लें : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निपुण भारत मिशन के तहत गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं जिला अनुश्रवण समिति की मासिक समीक्षा बैठक हुई। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से शिक्षा विभाग के वर्तमान तक के कार्यों की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी द्वारा सरकारी विद्यालय के परिसरों का कायाकल्प एवं शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य निपुण भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनपद के समस्त विद्यालयों का कायाकल्प का कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने द्वारा जिन विद्यालयों में कायाकल्प का कार्य चल रहा है।

उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति पर विशेष जोर देते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि स्कूलों में अध्यापकों के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि कराई जाए और साथ ही अध्यापकों के द्वारा अभिभावकों को भी प्रेरित किया जाए की प्रतिदिन बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा कि वह मॉनिटरिंग करते हुए ऐसे स्कूलों के अध्यापकों से स्पष्टीकरण ले जहां पर बच्चों की उपस्थिति कम है।

बैठक का संचालन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार के द्वारा किया। इस बैठक में जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय, यमुना/ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी गण तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं शिक्षकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

महाकुम्भ-2025 में बने 3 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

सीएम योगी की स्वच्छता कर्मियों को बड़ी सौगात, बोनस में मिलेंगे 10 हजार रूपये

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुम्भ में कार्यरत रहे स्वच्छताकर्मियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने सफाईकर्मियों और स्वास्थ्यकर्मियों को उपहार के साथ ही स्वच्छ कुम्भ कोष से बीमा प्रमाण पत्र प्रदान किया और साथ ही मंच से ऐलान किया कि जो भी स्वच्छताकर्मी और स्वास्थ्यकर्मी महाकुम्भ के महाआयोजन में सहभागी बने, उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से अतिरिक्त बोनस के रूप में 10 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की जाएगी।

महाकुंभ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। सीएम योगी ने इस दौरान स्वच्छता कर्मियों, प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्यकर्मियों के साथ संवाद किया और उन्हें सम्मानित भी किया। महाकुम्भ-2025 में इस बार कई रिकार्ड बने हैं। महाकुंभ में 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया। वहीं 3 गिनीज वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड भी बने। सीएम योगी ने यह भी ऐलान किया कि अप्रैल से प्रदेश सरकार एक कॉर्पोरेशन का गठन करने जा रही है, जिसके माध्यम से हर स्वच्छताकर्मी, स्वास्थ्यकर्मी और उन सभी कर्मियों को जिन्हें मिनिमम वेज नहीं मिल पाता था, उन्हें सरकार 16 हजार रुपए प्रतिमाह प्रदान करेगी।

यह धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में भेजी जाएगी। इसके साथ ही सीएम ने यह भी कहा कि हर स्वच्छताकर्मी, स्वास्थ्यकर्मी को आयुष्मान भारत या मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना के माध्यम से 500000 की स्वास्थ्य बीमा से भी जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हुए इस भव्य और दिव्य आयोजन के बाद आज आप सभी का अभिनंदन करने के लिए पूरी प्रदेश सरकार आपके बीच में है। इस आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान है। हमारी सरकार आपसे वादा करती है कि आपके वेलफेयर के लिए हम आगे भी लगातार काम करते रहेंगे।

प्रयागराज स्मार्ट सिटी के रूप में चमक रहा

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 13 दिसंबर को प्रयागराज महाकुम्भ के शुभारंभ के लिए यहां आए थे। उससे पहले भी और उस दौरान भी उन्होंने बहुत सारा मार्गदर्शन दिया। भारत सरकार के सभी अधिकारी, सभी मंत्रालय इस आयोजन को उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए प्राण प्रण से जुटे थे। हर विभाग में अपने स्तर पर इस आयोजन में भरपूर सहयोग किया और इसमें आर्थिक रूप से भी सहयोग करते हुए प्रयागराज के कायाकल्प को सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि आज महाकुम्भ के बहाने प्रयागराज शहर एक स्मार्ट सिटी के रूप में चमक रहा है।

महाकुम्भ ने आध्यात्मिक टूरिज्म का मार्ग प्रशस्त किया

सीएम योगी ने प्रदेश में टूरिज्म की नई संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि महाकुम्भ ने उत्तर प्रदेश के अंदर आध्यात्मिक टूरिज्म के कई सर्किट प्रस्तुत किए हैं। एक प्रयागराज से मां विंध्यवासिनी का धाम होते हुए काशी का सर्किट बना। जिस प्रकार प्रयागराज में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे थे, उसी तरह मां विंध्यवासिनी धाम में इस दौरान प्रतिदिन 5 से लेकर 7 लाख तक लोग जुटे थे। इसी तरह, काशी में बाबा विश्वनाथ धाम में 10 से लेकर 15 लाख श्रद्धालु एक दिन में रहते थे। एक और सर्किट बना अयोध्या धाम और गोरखपुर का, अयोध्या धाम में प्रतिदिन इस दौरान 7 लाख से लेकर 12 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन आ रहे थे और गोरखपुर में पहली जनवरी से लेकर कल तक प्रतिदिन 2 लाख से ढाई लाख श्रद्धालु जुटते थे। तीसरा सर्किट बना प्रयागराज से ऋंवेरपुर होते हुए लखनऊ और नैमिषारण्य का, जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा रहा। वहीं प्रयागराज से राजापुर और चित्रकूट का भी एक सर्किट बना तो पांचवा सर्किट प्रयागराज से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे होते हुए मथुरा, वृंदावन और शुकतीर्थ का रहा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

विरोधियों ने दुष्प्रचार का कोई मौका नहीं छोड़ा

सीएम योगी ने कहा कि आस्था का इतना विशाल समागम दुनिया के अंदर कभी नहीं हुआ। 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालु किसी आयोजन का हिस्सा बने और कोई अपहरण की घटना नहीं, कोई लूट की घटना नहीं, कोई छेड़छाड़, कोई दुष्कर्म की घटना नहीं, कोई भी ऐसी घटना नहीं जिसके बारे में कोई सवाल उठा सके। दूरबीन लगाकर, माइक्रोस्कोप लगाकर भी ऐसी घटना को ढूंढा नहीं जा सकता। हालांकि, फिर भी विरोधियों ने दुष्प्रचार का कोई मौका नहीं छोड़ा। जिनको आस्था का यह समागम अच्छा नहीं लगा, उन्होंने कोई मौका नहीं छोड़ा। मौनी अमावस्या के दिन 8 करोड़ श्रद्धालु यहां पर थे, हमारी प्राथमिकता थी कि इन श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान कर उनके गंतव्य की ओर प्रस्थान कराया जाए। लेकिन विरोधी लगातार दुष्प्रचार कर रहे थे, बदनाम कर रहे थे। उनकी भाषा अपमानित करने वाली थी। कोई काहिरा की तो कोई काठमांडू की घटना का दृश्य दिखाकर प्रयागराज को बदनाम कर रहा था। योगी ने कहा कि पहले की सरकारों ने भारत की आस्था का सम्मान नहीं किया।

सीएम को भेंट किये गये तीन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से मेला प्राधिकरण द्वारा स्थापित तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया। इन तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में से पहला एक साथ सर्वाधिक लोगों (329) द्वारा एक ही समय में कई स्थलों पर नदी की सफाई, दूसरा एक साथ सर्वाधिक संख्या (19 हजार) में सफाईकर्मियों द्वारा सफाई अभियान चलाए जाने और तीसरा 8 घंटे तक सर्वाधिक लोगों(10,102)द्वारा हैंडप्रिंट बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल रहा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग द्वारा प्रकाशित एसेंस ऑफ कुम्भ बुक का विमोचन भी किया। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत अन्य मंत्रीगण एवं अधिकारी मौजूद रहे।